Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर... रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर — निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 06, अंक 171 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये | रायपुर, शुक्रवार 26 जुलाई 2024 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस के तीन मुख्यमंत्री और तमिलनाडु के सीएम का ऐलान, नीति आयोग की बैठक का करेंगे बहिष्कार

नई दिल्ली। आम बजट में राज्यों को हुए धन आवंटन में भेदभाव का आरोप लगाते हुए तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों ने नीति आयोग की 27 जुलाई को होने वाली बैठक का बहिष्कार करने का ऐलान किया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मंगलवार की शाम को एक प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया पोस्ट में भाजपा सरकार के आम बजट को देश के लिए विभाजनकारी और खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट संघीय ढांचे और निष्पक्षता के खिलाफ है। वह अपने पोस्ट में आगे लिखते हैं, इस बजट का विरोध करते हुए कांग्रेस के सभी मुख्यमंत्री 27 जुलाई को होने वाली नीति आयोग की बैठक का विरोध करेंगे। यह सरकार एकदम संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ काम कर रही है।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, एक आतंकी ढेर; एक जवान घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच रात से मुठभेड़ जारी है। एनकाउंटर के बीच सुरक्षाबलों के जवानों ने एक आतंकी को ढेर कर दिया है। मुठभेड़ में सेना का एक जवान भी घायल है। बता दें कि सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच यह मुठभेड़ जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा की लोलाब घाटी के त्रिमुखा टॉप पर जारी है। सुरक्षाबलों ने आतंकियों को उस समय घेर लिया जब वह वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास जंगल में भागने की कोशिश कर रहे थे।

मूणत ने विधानसभा में लगाई सवालों की झड़ी

कमल विहार में आमोद प्रमोद वाली जगह का बिना लेंड यूज चेंज कराए निकाला गया टेंडर

रायपुर/समय दर्शन

राजधानी रायपुर के कमल विहार में गजराज तालाब के बाजू आमोद प्रमोद वाली जगह का बिना लैंड यूज चेंज कराए रायपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) व्दारा पार्क बनाने हेतु टेंडर जारी करने का मामला आज विधानसभा में उठा। भाजपा विधायक राजेश मूणत ने इसे अनुचित ठहराते हुए सवालों की झड़ी लगा दी।

प्रश्नकाल में भाजपा विधायक राजेश मूणत का सवाल था कि रायपुर विकास प्राधिकरण की कमल विहार योजना के तहत बोरियाखुर्द स्थित गजराज तालाब के आसपास की भूमि का मास्टर प्लान में क्या उपयोग दर्शाया गया था? प्राधिकरण ने इसके आसपास की भूमि में क्या प्रोजेक्ट विकसित करने का प्लान रखा गया था? क्या इस भूमि को विक्रय/लीज पर देने हेतु निविदा आमंत्रित की गई थी? यदि हां, तो कब और इसमें अद्यतन स्थिति क्या है? क्या इस भूमि के उपयोग को लेकर रायपुर विकास प्राधिकरण तथा न्यूनतम निविदाकार के बीच मतभेद उत्पन्न हो गये हैं तथा प्रकरण आरबिट्रेशन में है? यदि हां, तो इसकी अद्यतन स्थित क्या है?

आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ. पी. चौधरी ओर से जवाब आया कि गजराज तालाब के आस-पास की भूमि का रायपुर विकास योजना (पुनर्विलोकित) 2021 में भू- उपयोग आमोद-प्रमोद प्रयोजन अंतर्गत क्षेत्रीय उद्यान हेतु दर्शाया गया (प्रस्तावित) था। प्राधिकरण द्वारा उक्त भूमि में नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 अंतर्गत एवं कमल विहार योजना के स्वीकृत ले आउट के अनुसार स्वीकार्य योग्य प्रोजेक्ट विकसित करने का प्लान रखा गया है। भूमि के विक्रय हेतु ऑनलाईन निविदाएं दिनांक 3 फरवरी 2023 को आमंत्रित की गई थी। न्यूनतम निविदाकार को आवंटन आदेश दिनांक 12 अप्रैल 2023 को जारी किया गया था। निविदा की शर्तों के अनुसार निविदाकार को 5 माह के भीतर प्रथम किश्त की राशि जमा करते हुए अनुबंध निष्पादित किया जाना था। निविदाकार द्वारा समय सीमा पर अनुबंध निष्पादित नहीं किया गया। निविदाकार द्वारा कमर्शियल कोर्ट में याचिका दायर की गई। कोर्ट द्वारा प्रकरण का निपटारा आरबिट्रेशन के माध्यम से किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। वर्तमान में आरबिट्रेशन की प्रक्रिया जारी हैं। प्रकरण आरबिट्रेशन में हैं। डेवलपर द्वारा क्लेम जमा किया जा चुका है, जिसके संबंध में प्राधिकरण का जवाब प्रस्तुत किये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

राजेश मूणत ने कहा कि कमल विहार 1600 एकड़ का प्रोजेक्ट था। इसका मूल स्वरूप क्या था और वर्तमान में क्या से क्या हो गया। वास्तव में तालाब सौंदर्यीकरण का प्लान था। सवाल यह है कि तालाब किनारे पार्क बनाने टेंडर करना उचित है या अनुचित? नियमों के विरुद्ध जाकर क्या लैंड यूज चेंज किया जा सकता है? बिना ले आउट चेंज किए टेंडर कैसे हो गया? क्या इसकी जांच कराई जाएगी। दोषी व्यक्ति के खिलाफ़ क्या कार्रवाई की जाएगी? आवास एवं पर्यावरण मंत्री ने कहा कि इसका परीक्षण कराएंगे। परीक्षण के बाद जो भी आवश्यक होगा कदम उठाएंगे।

डेंगू, मलेरिया व डायरिया से हो रही मौतें... विधानसभा में कांग्रेस विधायकों ने लाया स्थगन... शुक्रवार को होगी चर्चा

रायपुर/समय दर्शन

छत्तीसगढ़ में जगह-जगह डेंगू, मलेरिया एवं डायरिया जैसी बीमारियों से हो रही मौतों तथा सैकड़ों की संख्या में लोगों के बीमार रहने पर चिंता जताते हुए कांग्रेस विधायकों ने आज विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव लाया और उस पर चर्चा कराने की मांग की। विधानसभा अध्यक्ष ने इस गंभीर विषय पर कल शुक्रवार को चर्चा कराने का आश्वासन दिया है।

शून्यकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि पूरा छत्तीसगढ़ इस समय डेंगू, मलेरिया एवं डायरिया जैसी घातक बीमारी की चपेट में है। प्रदेश के शासकीय और निजी अस्पतालों में डायरिया के मरीजों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। डायरिया से सबसे जादा बच्चे पीड़ित हैं। सरकारी अस्पतालों में दवाईयों का अभाव है। रतनपुर में पिछले 15 दिनों में 300 से अधिक लोग डायरिया से ग्रसित हुए। रतनपुर के समीप ग्राम नेवरा मदनपुर में समय पर इलाज नहीं होने के कारण डायरिया से चार मरीजों की मौत हो चुकी है। रतनपुर के अलावा बस्तर, बिलासपुर, मनेन्द्रगढ़ एवं बोड़ला में इन बीमारियों से मौतें हो चुकी हैं। डॉ. महंत ने कहा कि इस विषय पर हमने स्थगन दिया है, जिसे स्वीकार करते हुए चर्चा कराएं। कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि प्रदेश के आदिवासी बाहुल्य बीजापुर जिले के पोटा केबिन में अध्ययनरत तीन आदिवासी छात्रों की मलेरिया से मौत हो गई। दुर्भाग्यजनक बात यह है कि उक्त तीनों गरीब आदिवासी बच्चे सरकारी संरक्षण में रह रहे थे। सरकार की संवेदनहीनता के कारण तीनों बच्चों की मौत हुई। जिले का स्वास्थ्य विभाग का अमला प्रभावित गांव में जांच करने पहुंचा तो बीजापुर के चेरपाल पोटा केबिन में 57 छात्र, गंगालूर की पोटा केबिन में 22 बच्चें सहित आसपास के जिलों के छात्रावासों, पोटा केबिन में रह रहे लगभग 200 बच्चे मलेरिया से पीड़ित पाए गए। कांग्रेस विधायक दलेश्वर साहू ने कहा कि कबीरधाम जिले के बोड़ला ब्लाक के ग्राम सोनवाही में 3 जुलाई से 10 जुलाई के बीच डायरिया उल्टी-दस्त से राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र 05 बैगा आदिवासियों की समुचित उपचार के अभाव में मौत हो गई।

कलादास बोले-सरकार की गलत नीतियों का विरोध इसलिए जांच

छत्तीसगढ़ में एनजीओ संचालक के घर एनआईए का छापा, लैपटॉप, पेनड्राइव, फोन जब्त किए गए..

भिलाई./ संवाददाता

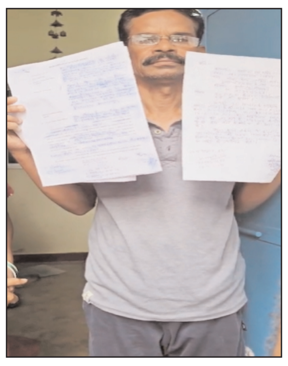

छत्तीसगढ़ में एक बार फिर राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने छापेमारी की है। इस बार एनआईए ने भिलाई में छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा सांस्कृतिक मंच के सदस्य कलादास डहरिया के लेबर कैम्प जामुल स्थित निवास पर छापा मारा है। टीम ने उनके घर की तलाशी और लैपटॉप, पेन ड्राइव सहित अन्य सामग्री को जब्त किया है। एनआईए की टीम ने डहरिया से कई सवाल पूछे और उसके बाद टीम लौट गई। कलादास को टीम ने रांची भी बुलाया गया है। कलादास रेला एनजीओ के संचालक भी है। यह संस्था 1990 से चल रही है। रेला किसान आदिवासी और मजदूरों के संगठन का काम करती है। इसके लिए एनजीओ को देशभर से फंडिंग भी होती है। कलादास छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा के सक्रिय सदस्य भी हैं। मिली जानकारी के अनुसार कलादास डहरिया के घर पर एनआईए की टीम ने तड़के 5 बजे दबिश दी। जामुल स्थित निवास में अफसरों ने जांच और पूछताछ की। एनआईए की टीम कलादास की बेटी का लैपटॉप, पेन ड्राइव और मोबाइल फोन जब्त कर ले गई है। कलादास डहरिया रेला नाम का जनवादी सांस्कृतिक संगठन चलाते हैं। संगठन के माध्यम से वे देशभर में सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद करते हैं। ये एनजीओ किसान, आदिवासी और मजदूरों के संगठन के लिए काम करता है। संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने देशभर के मजदूरों संगठनों से फंडिंग मिलती है। एनआईए की इस छापेमारी को लेकर कलादास डहरिया ने बताया कि सुबह 5 बजे दूसरे राज्य की 4 गाड़ियों में भरकर कुछ अफसर आए। उन्होंने खुद को एनआईए अफसर बताया। घरों के लोगों को बाहर जाने और बाहर से किसी को भी अंदर आने से रोक दिया। कलादास ने बताया कि कुछ पेपर में साइन लिए हैं। उन्होंने बताया कि मजदूरों के न्यूनतम वेतन को लेकर कुछ दिन पहले हमने राष्ट्रपति और सरकार को पत्र लिखा था। चिट्ठी लिखने के बाद ये सारे प्रक्रियाएं शुरू हुई है।

सुप्रीम कोर्ट से केंद्र सरकार को झटका

खनिजों पर राज्यों को रॉयल्टी वसूलने का कानूनी अधिकार

नई दिल्ली/ एजेंसी

कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार को झटका देते हुए कहा है कि राज्यों के पास संविधान के तहत खदानों और खनिज वाली भूमि पर रॉयल्टी वसूलने का विधायी (कानूनी) अधिकार है। नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 8:1 के बहुमत से फैसला सुनाया कि खनिजों के बदले दी जाने वाली रॉयल्टी कर नहीं है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अपनी और पीठ के सात न्यायाधीशों की ओर से फैसला पढ़ते हुए कहा कि संसद के पास संविधान की सूची दो की प्रविष्टि 50 के तहत खनिज अधिकारों पर कर लगाने का अधिकार नहीं है। संविधान की सूची-द्वद्व की प्रविष्टि 50 खनिज विकास से संबंधित नियमों और खनिज अधिकारों पर करों से संबंधित है। बहुमत के फैसले को पढ़ते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि शीर्ष अदालत की सात सदस्यीय संविधान पीठ का 1989 का फैसला गलत है जिसमें कहा गया था कि रॉयल्टी एक कर है। इससे पहले, सुनवाई शुरू होते ही प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि पीठ ने दो अलग-अलग फैसले दिये और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने इससे असहमति व्यक्त की। यमूर्ति नागरत्ना ने अपना फैसला पढ़ते हुए कहा कि राज्यों के पास खदानों और खनिजों वाली भूमि पर कर लगाने की विधायी क्षमता नहीं है। पीठ ने इस बेहद विवादास्पद मुद्दे पर फैसला किया कि क्या खनिजों पर देय रॉयल्टी खान और खनिज विकास और विनियमन अधिनियम, 1957 के तहत कर है।

कहीं सड़कें तो कहीं घर डूबे,भारी बारिश के बीच चार लोगों की मौत,लोगों का हुआ हाल-बेहाल....

मुंबई/ एजेंसी। महाराष्ट्र के कई शहरों में लगातार बारिश का कहर जारी है। मुंबई, पुणे, पालघर समेत कई अन्य जगहों पर हालात बद से बदतर हो गए हैं। राज्य की राजधानी की सार्वजनिक परिवहन सेवाएं काफी प्रभावित हुई हैं। लगातार बारिश के कारण सड़कों, रेलवे पटरियों और लोगों के घरों में पानी भर गया है। कुछ जगहों पर तो लोगों को बचाने के लिए विभाग को नाव तक की जरूरत पड़ गई है। भारी बारिश से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। कुछ जगहों पर स्कूल-कॉलेजों की छुट्टी कर दी गई है। एयर इंडिया ने मुंबई में बारिश को देखते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर ताजा जानकारी साझा की। बताया, 'भारी बारिश के कारण मुंबई आने-जाने वाली उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। धीमे यातायात और जलभराव को देखते हुए हवाईअड्डों पर आने के लिए थोड़ा पहले निकलने की सलाह दी जाती है।' बिगड़े मौसम के मिजाज का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि यहां चार लोगों की मौत की खबर सामने आई है। भारी बारिश के कारण पुणे ग्रामीण के अधरवाड़ी गांव में चट्टानें खिसकने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि हादसे में एक अन्य घायल भी हो गया। वहीं, गुरुवार तड़के तीन लोगों की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। वे भारी बारिश के कारण डूबे अपने ठेले को हटाने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि घटना डेक्कन जिमखाना इलाके में हुई। तीनों मृतक बाबा भिड़े पुल के पास सड़क किनारे ठेले पर अंडे बेच रहे थे। डेक्कन जिमखाना पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि भारी बारिश के कारण उनका ठेला पानी में डूब गया था। उसे पानी से निकालते समय बिजली का करंट लग गया।

संक्षिप्त समाचार

रजिस्ट्री कार्यालय में धांधली को लेकर विधायक गजेंद्र यादव ने मानसून सत्र में उठाया सवाल

दुर्ग (समय दर्शन)। रजिस्ट्री कार्यालय में अवैध वसूली को लेकर आज दुर्ग विधायक गजेंद्र यादव ने विधानसभा में सवाल उठाया है। मानसून सत्र के चौथे दिन राजस्व विभाग के कई मामले को लेकर सवाल जवाब के दौरान उन्होंने पूरी बेबाकी से सदन में दुर्ग जिले के रजिस्ट्री कार्यालय में लेन देन के नाम पर लिए जाने वाली राशि से संबंधित अपनी बातें रखी जिस पर विभागीय मंत्री ओ. पी. चौधरी ने सदन में जवाब देते हुए मामले की जांच कराने का आश्वासन दिए। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान विधायक गजेंद्र यादव ने दुर्ग रजिस्ट्री कार्यालय में रजिस्ट्री पेपर तैयार कराने के एवज में चल रहे अवैध वसूली को लेकर सदन सवाल उठाये, उन्होंने कहा कि 3 से 10 हजार रूपये हर रजिस्ट्री प्रकरण में नागरिकों से लिया जा रहा है। विधायक श्री यादव के सवाल का जवाब देते हुए राजस्व मंत्री ओ. पी. चौधरी ने बताया की रजिस्ट्री कार्यालय में ऑनलाइन पेमेंट, आधार कार्ड पैन कार्ड इंटीग्रेशन, रेरा के साथ बैकवर्ड - फॉरवर्ड इंटीग्रेशन, भूइंया से इंटीग्रेशन एवं मोबाइल एप्प डेवलप किया जा रहा है। विभाग के काम काज टेक्नोलॉजी से जोड़ा जा रहा है ताकि भ्रष्टाचार को दूर कर पारदर्शिता लाया जा सके। दुर्ग विधायक के सवाल पर उन्होंने जानकारी लेकर लिए जाने वाले राशि की जांच कराने का आश्वस्त किया।

सिंधी समाज के धार्मिक यात्रा को संत युधिष्ठिर लाल 27 को करेंगे रवाना

दुर्ग (समय दर्शन)। सिंधी समाज के लोग श्री रामलला धाम अयोध्या और काशी विश्वनाथ बनारस के तीन दिवसीय धार्मिक यात्रा पर 27 जुलाई को स्पेशल ट्रेन झूलेलाल एक्सप्रेस से जाएंगे। श्रद्धालुओं के इस जत्थे को दुर्ग रेल्वे स्टेशन में प्रात: 11 बजे शदाणी तीर्थ के संत सांई युधिष्ठिर लाल हरी झण्डी दिखाकर रवाना करेंगे। बाबा गुरुमुखदास युवा मंडल एवं सिंधी समाज द्वारा आयोजित इस धार्मिक यात्रा में श्रद्धालुओं को श्री सिन्धु अमरधाम आश्रम झूलेलाल मंदिर के संत सांई लालदास का सानिध्य मिलेगा। इस धार्मिक यात्रा को लेकर सिंधी समाज के लोगों में उत्साह का माहौल है। धार्मिक यात्रा पर जाने अब तक 100 से अधिक सिंधी समाज के लोगों ने अपना पंजीयन करवा लिया है।

यादव समाज के महिला प्रकोष्ठ को मजबूती प्रदान करना मेरा ध्येय-सुमन

बसना (समय दर्शन)। बसना तहसील कोषाध्यक्ष अलेकराम एवं महिला प्रकोष्ठ बसना तहसील अध्यक्ष सुमन यादव जी के नेतृत्व में छ. ग झेरिया यादव समाज पं. क्र. 5066 के अंतर्गत फुल्झर राज बसना का विशेष बैठक रखा गया।जिसमें फुल्झर राज बसना - सरायपाली के समस्त समाजिक बंधु उपस्थित रहे। बैठक में बसना तहसील अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ श्रीमती सुमन यादव ने अपने महिला प्रकोष्ठ को मजबूती प्रदान करने के लिए अभियान चलाते हुए समाज सेवा मे महिलाओं को प्रथम पायदान मे लाने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि, हम समाज की महिलाओं को समाज की मुख्य धारा मे लाकर समाज का सर्वांगीण विकास कराना चाहते है ।

बसना संगठन मंत्री गजानंद यादव यादव ने समाज को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारे झेरिया यादव समाज द्वारा निकट भविष्य मे नशा मुक्ति अभियान चलाया जाएगा। नरेन्द्र यादव ने सभी पदाधिकारीयों का आभार ब्यक्त करते हुए यह बात कहा कि, झेरिया यादव समाज में संगठन को और मजबूत बनाने के लिए अधिक से अधिक युवा भाईयों को जोड़ने के लिए हमेशा प्रयास रहेंगे । कार्यक्रम में बसना तहसील सह सचिव मनोहर यादव , महिला प्रकोष्ठ तहसील संगठन मंत्री श्रीमती पुजा यादव,परसकोल परिक्षेत्र संगठन मंत्री बिहारी यादव बम्हनी परिक्षेत्र अध्यक्ष जलिंधर यादव , ढोढरकसा परिक्षेत्र अध्यक्ष जदूमणी यादव,कायतपाली परिक्षेत्र अध्यक्ष रंजीत यादव, चिमरकेल परिक्षेत्र सचिव पुरन यादव, बड़े टेमरी परिक्षेत्र अध्यक्ष बंसत यादव, बसना शहर अध्यक्ष जोतराम यादव सांकरा परिक्षेत्र अध्यक्ष काशीराम यादव,नानदाऊ यादव , एवं समाजिक बंधु उपस्थित रहे। इसकी जानकारी मिडिया प्रभारी ओमप्रकाश यादव ने दी।

विगत 5 दिनो से शहर में व्याप्त भीषण जल संकट को लेकर भाजपा पार्षदों ने खोला मोर्चा, आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर 3 दिन में व्यवस्था नहीं सुधरने पर दी उग्र प्रदर्शन की चेतावनी

दुर्ग (समय दर्शन)। शहर में विगत 5 दिनों से भारी बरसात के बीच जल संकट की स्थिति निर्मित होने व पानी सप्लाई ठप्प होने से हलाकन जनता की समस्याओं को लेकर आज भाजपा पार्षदों ने नगर निगम कार्यालय में महापौर धीरज बाकलीवाल व निगम प्रशासन के खिलाफमोर्चा खोलते हुए आयुक्त कार्यालय के निचे पोर्च में बैठक जोरदार प्रदर्शन किया और मेयर बाकलीवाल व अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारे बाजी किया इस दौरान ज्ञापन लेने पहुंचे कमिश्नर लोकेश चंद्राकर को जमकर खरी खोटी सुनाते हुए पानी की संकट सहित स्ट्रीट लाईट बंद होने व राशन कार्ड जैसे मुद्दे कों लेकर भी आड़े हाथों

लिया और तीन दिन में जल संकट दूर नहीं होने पर जनता के साथ फिर प्रदर्शन की चेतावनी दिया।इस दौरान निगम आयुक्त ने पार्षदों को आश्वस्त किया कि पानी सप्लाई शुक्रवार कल सुबह तक सामान्य हो जाएगा और शेष मुद्दे को भी शीघ्र निराकरण करने का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है की शिवनाथ नदी में बाढ़ के चलते शहर के विभिन्न वार्डो में पांच छह दिनों नल नही खुलने से लोग पानी के लिए त्राहि त्राहि कर रहे हैं किंतु नगर निगम का यह दुर्भाग्य है की गर्मी की तरह बारिश में भी जल संकट होने के बावजूद भी पानी सप्लाई के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं कर पाए हैं नदी इंकवेल स्थापित 24 व 42 एमएलडी पम्प हाउस से पानी खींचा जाता है किंतु पुलंगव नाला में जमे जलकुंभी व पन्नी झिल्ली के बाढ़ में बहने के कारण बार बार सायफन में कचरा जमा हो रहा है जिसके कारण फिल्टर प्लांट तक पानी नही पहुंचने से शहर के बड़ी टंकियों में पानी नही भरा जा रहा है और बरसात शहर में जल संकट हो गया है और इसी मुद्दे को लेकर आज भाजपा पार्षदों ने सत्तारूढ़ कांग्रेसी परिषद को गैर जिम्मेदार बताते हुए निगम महापौर के खिलाफ जमकर नारे बाजी कर निगम प्रशासन को पानी सप्लाई सुचारू रूप से बहाल करने का अल्टीमेटम दिया प्रदर्शन करने वालो में प्रमुख रूप से नेता प्रतिपक्ष अजय वर्मा उप नेता प्रतिपक्ष देवनारायण चंद्राकर पूर्व सभापति दिनेश देवांगन पार्षदगण काशीराम कोसरे चंद्रशेखर चंद्राकर नरेंद्र बंजारे शिवेंद्र परिहार मनीष साहू अजीत वैद्य कविता तांडी चमेली साहू लीना दिनेश देवांगन कुमारी बाई साहू कमल देवांगन हेमंत मटियारा हेमा जगदीश शर्मा राकेश भारती पुष्प गुलाब वर्मा,योगेंद्र साहू सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

मरीजों के लिए पिछले 15 वर्षों से रक्तदान-महादान कर रहे है जितेश जैन

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में मरीजों के लिए रक्त की कमी को दूर करने लगातार रक्तदाता सामने आ रहे है। इस कड़ी में युवा जितेश जैन ने रक्तदान कर महादान का संदेश दिया। यह रक्तदान उन्होने श्रीमती मोनिका के नवजात शिशु के लिए दिया है। जितेश जैन पिछले 15 वर्षो से जरुरतमंदो के लिए रक्तादान कर मानव सेवा में अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे है। उनका रक्त ग्रुप ए नेगेटिव है। यह रक्तदान श्री जैन ने जिला अस्पताल ब्लड बैंक के नोडल अधिकारी डॉ. प्रवीण अग्रवाल एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के प्रबंधकारिणी सदस्य व जीवनदीप समिति आजीवन सदस्य

दिलीप ठाकुर के मार्गदर्शन में किया। उनके रक्तदान करने पर जीवनदीप समिति सदस्य प्रशांत डोंगावकर ,सतीश सुराना एवं चिकित्सकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनका हौसला बढ़ाया। रक्तदान शिविर में ब्लड बैंक की नर्सिंग ऑफिसर श्रीमती सती गुप्ता, काउंसलर एंथोनी, लैब इंचार्ज रूपेश सरपे, लैब टेक्नीशियन दिनेश, तीरथ, निगार, कौशल, हिमांशु, माला प्रशिक्षणार्थी गोवर्धन, डेमन, भारती,वीणा, प्राची ने सेवाएं दी।

आम जनता को गुमराह करने वाला बजट : कुलबीर सिंह

राजनांदगांव (समय दर्शन)। मंगलवार को जारी हुए केंद्रीय बजट को शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने जनता को गुमराह करने वाला और ठगने वाला बजट करार दिया है। केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कुलबीर सिंह छाबड़ा ने कहा कि मोदी सरकार ने आम जनता के हित के लिए कांग्रेस के न्याय के एजेंडे को ठीक तरह से कॉपी भी नहीं कर पायी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का बजट अपने गठबंधन के साथियों को ठगने के लिए आधी-अधूरी रेवडियां बांट रहा है, ताकि एनडीए की सरकार बची रहे। कुलबीर सिंह छाबड़ा ने कहा कि ये देश की तरक्की का बजट नहीं बल्कि मोदी सरकार बचाओ बजट है। 10 साल बाद उन युवाओं के लिए सीमित घोषणाएं हुई हैं, जो सालाना दो करोड़ नौकरियों के जुमले को झेल रहे हैं। किसानों को लिए केवल सतही बातें हुईं हैं, डेढ़ गुना एमएसपी और आय दोगुना करना सब चुनावी धोखेबाजी निकली। ग्रामीण वेतन को बढ़ाने

का इस सरकार का कोई इरादा नहीं है। कुलबीर ने कहा कि दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग, अल्पसंख्यक, मध्यम वर्ग और गांव-गरीब लोगों के लिए कोई भी क्रांतिकारी योजना नहीं है, जैसी कांग्रेस ने यूपीए सरकार में लागू की थी। कुलबीर ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की बात करने वाली भाजपा के इस बजट में महिलाओं के लिए ऐसा कुछ नहीं है, जिससे उनकी आर्थिक क्षमता बढ़े और वो वर्क फोर्स में अधिक से अधिक शामिल हों। उल्टा महंगाई पर सरकार अपनी पीट थपथपा रही है, जनता की गाढ़ी कमाई लूट कर वो पूंजीपति मित्रों में बांट रही है। कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, जन-कल्याण और आदिवासियों पर बजट में आबंटन से कम खर्च किया है, क्योंकि ये भाजपा की प्राथमिकताएं नहीं हैं। इसी तरह कैपिटल एक्सपेंडिचर पर 1 लाख करोड़ कम खर्च किया है, तो फिर नौकरियां कहां से बढ़ेंगी ? कुलबीर सिंह छाबड़ा ने केंद्रीय बजट पर तंज कस्ते हुए कहा कि शहरी विकास, ग्रामीण विकास, इंफ्रास्ट्रख्र, मैन्युफैख्रिंग, एमएसएमई, इन्वेस्टमेंट, इवी योजना-सब पर केवल डॉक्यूमेंट, पालिसी, विजन, रिव्यु आदि की बात की गई है, पर कोई बड़ी घोषणा नहीं की गई है। कुलबीर सिंह छाबड़ा ने कहा कि आये दिन रेल हादसे हो रहें हैं, ट्रेनों को बंद किया गया है, कोच की संख्या घटी है, आम यात्री परेशान हैं, पर बजट में रेलवे के बारे में कुछ नहीं कहा गया है, कोई जवाबदेही नहीं है व जातिगत जनगणना पर भी कुछ नहीं बोला गया है, जबकि ये पांचवा बजट है जो बिना सेन्सस के प्रस्तुत किया जा रहा है। ये हैरान कर देने वाली अप्रत्याशित नाकामी है-जो लोकतंत्र और संविधान के खिलाफहै।

नगर पालिका के सहयोग से मुस्लिम समाज ने बाढ़ पीड़ितों को भोजन पैकट वितरित किया

दंतेवाड़ा/ किरंदुल (समय दर्शन)। बैलाडीला क्षेत्र में लगातार 12 दिनों से अनवरत मूसलाधार बारिश होने के कारण 21 जुलाई को दोपहर में एनएमडीसी 11 बी में बना एक तट बांध टूट गया और इससे किरंदुल क्षेत्र में तबाही मचा दिया बांध का पानी तेज रफ्तार से कई घरों को घुस गया । इससे लोगों का काफी नुकसान हुआ। साथ ही लोगों में अफरा तफरी की स्थिति निर्मित हो गया था इस अचानक आये आपदा के समय में प्रशासन और एनएमडीसी प्रशासन इंटक ने लोगों की मदद के लिए आगे आए और लोगों को चेक प्रदान कर आर्थिक मदद की। इसी कड़ी में बचेली किरंदुल के मुस्लिम समाज ने भी अपनी भागीदारी निभाते हुए पीड़ित लोगों के लिए भोजन व्यवस्था के लिए एसडीएम विवेक चंद्र से समाज की ओर से भोजन पैकेट बांटने की अनुमति लेकर भोजन व्यवस्था किया जिसमें नगर पालिका प्रशासन के सभी कर्मचारियों ने भोजन पैकेट बनाने और वितरण में सहयोग किया भोजन बनाने का कार्य किरंदुल सुन्नी जामा मस्जिद के परिसर में किया गया जैसा की विदित है की इस अफरा तफरी के माहौल में कई घरों का किचन व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो गया जिसमें बचेली के आफताब आलम ने देखा और सभी लोग को खबर किया जिसमे किरंदुल के सदर जमील खान और नजमुल ने योगदान दिया ।बता दे जमील खान अक्सर समाज सेवा का कार्य के लिए तत्पर रहते है

बचेली से सदर बहाउद्दीन अहमद खजांची बचेली मो. मुस्ताक और बचेली के जनसेवक पार्षद फिरोज नवाब ने भी अपना अपना सहयोग दिया और इस तरह से एक आपसी भाईचारा का मिसाल बने जैसा की विदित हो की इससे पहले भी बचेली बैलाडीला में आपदा की हर घड़ी में बचेली किरंदुल मुस्लिम समाज हमेशा प्रशासन का सहयोगी रहा है बचेली मुस्लिम समाज ने कोरोना काल में 51000 का सहायता राशि जमा कर सहयोग दिया और जब अन्य समाज पीड़ित शव को अपनी जमीन देने को तैयार नही थे गंभीर स्थिति थी प्रशासन बेहद मुश्किल घड़ी में थी तो उस समय भी बचेली मुस्लिम समाज ने पहल किया अपनी कब्रिस्तान वाली जमीन भी करोना पीड़ित शव को दफनाने के लिए एक विशेष जगह दिया था समाज के इस कार्य के लिए सभी लोगो ने बेहद सरहना की थी इसमें किरंदुल से इंजीनियर सेफुल्लाह,फिरोज रजा,इमरान खान, आदिल खान,फारुख फारूक राजा ने भी समाज के लिए सहयोगी बने ।

तांदुला में 46, खरखरा में 58, खपरी में 74 और गोंदली जलाशय में 27 प्रतिशत जल भराव

दुर्ग/ शिवनाथ नदी के कैचमेंट एरिया में विगत दिनों से लगातार बारिश होने तथा मोंगरा बैराज से पानी छोड़े जाने के कारण शिवनाथ नदी के महमरा एनीकट के ऊपर 08 फीट पानी बह रहा है। विगत दिनों की तुलना में तांदुला नदी, खरखरा नदी व शिवनाथ के अन्य सहायक नालों में जल की स्थिति को देखते हुए अभी भी लोगों को सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। तांदुला जल संसाधन संभाग के कार्यपालन अभियंता श्री एस.के. पाण्डेय के अनुसार मोंगरा बैराज से 10 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। वर्षा की स्थिति बनी रही तो मोंगरा बैराज से और ज्यादा पानी छोड़ा जा सकता हैं।

स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर मैदान में 150 कर्मी

रिसाली के ब्रांड एंबेसडर जागरूकता लाने अपनी विधा का करेंगे प्रयोग

रिसाली (समय दर्शन)। स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर रिसाली निगम रोड मैप तैयार किया है। पहले चरण में आयुक्त मोनिका वर्मा ने 150 कर्मचारियों की टीम को जागरूकता लाने मैदान में उतारा है। वहीं दूसरे चरण में अलग-अलग विधाओं में परांगत ब्रांड एंबेसडर सीधे आम लोगों से जुड़ेगे। स्वच्छ और सुंदर हमर रिसाली की परिकल्पना को लेकर नगर पालिक निगम रिसाली की आयुक्त ने निगम के ब्रांड एंबेसडर से चर्चा की। आयुक्त ने सभी से आग्रह किया कि अपने शहर की विशेष पहचान बनाने सभी एक सूत्र में बंधकर कार्य करे। अलग-अलग विधाओं को लेकर स्वच्छता की अलख जगाए। रिसाली निगम के इस मुहिम को मूर्तरूप देने सभी ब्रांड एंबेसडर ने निगम प्रशासन को आश्वस्त किया। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे, शिक्षाविद सजीव सुधाकर, भजन एवं गजल गायक प्रभंजय चतुर्वेदी, लोकवाद्य संग्रहक रिखी क्षत्रिय, फिटनेस एक्सपर्ट प्रदीप साहू, पर्यावरण विद डॉ. नरेन्द्र राठौर, योग गुरू अशोक महेश्वरी, डॉ. विपिन अरोरा, कला मर्मज्ञ डॉ. डी.पी. देशमुख, कलाकार डॉ.सोनाली चक्रवर्ती, पंथी नर्तक पद्मश्री डॉ. राधेश्याम बारले, लोक गायीका रजीन रजक, डॉ. राखी राय उपस्थित थी।

ऐसे करे काम- मृत्युजंय साहू और पायल सिन्हा ने कर्मचारियों को बताया कि वे किस तरह घरों से निकलने वाले कचरें को पृथक करने जागरूकता ला सकते है। कर्मचारी स्वच्छता मित्र के साथ चले। प्रत्येक नागरिक को बताए कि किस तरह गीला कचरा घर पर पीट तैयार कर खाद बना सकते है। उन्होंने जगह नहीं होने पर गमला या अन्य पात्र लेकर उद्देश्य पूरा करने की जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने घनी आबादी स्लम क्षेत्र में संपर्क अभियान करने कहा।

कलेक्टर की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत जिला स्तरीय पर्यवेक्षक समिति की बैठक आयोजित

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से अधिक से अधिक किसानों को करें लाभाविन्त - कलेक्टर, फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत जिला स्तरीय पर्यवेक्षक समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर द्वारा क्रियान्वयन बीमा कम्पनी को कृषि विभाग एवं संबंधित विभाग बैंक के साथ समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक प्रचार कर फसलों के बीमा कराने के लिए किसानों को प्रेरित करने के निर्देश दिये गए। उन्होंने जिले के सभी किसानों से फसलों का बीमा कराने के लिए अपील की है, ताकि आपदा की स्थिति में किसानों को क्षति पूर्ति हेतु दावा भुगतान मिल सके। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से अधिक से अधिक किसानों को लाभाविन्त करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में कलेक्टर ने बताया की प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफफसलों के लिये बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई नियत की गई है। बैठक में कलेक्टर ने ऋणी एवं अऋणी किसानों को अधिक से अधिक फसल बीमा आवरण में शामिल कराने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर संयुक्त श्री आर के तंबोली, प्रगतिशील श्री कृषक दुष्यंत कुमार सिंह, श्री राज शेखर सिंह सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में उप संचालक कृषि श्री आर.एन. गांगे ने बताया कि जिला जांजगीर-चांपा में खरीफ में मुख्य अधिसूचित फसल धान सिंचित एवं धान असिंचित निर्धारित है। धान सिंचित फसल के बीमा के लिये बीमित राशि 60000 प्रति हेक्टेयर एवं एवं धान

असिंचित फसल के बीमा के लिये बीमित राशि 43000 रु प्रति हेक्टेयर निर्धारित है। बीमित राशि का 2 प्रतिशत धान सिंचाई हेतु 1200 रू. हेक्टेयर, एवं धान असिंचित के लिये 860 रू. प्रति हेक्टेयर कृषक अंश निर्धारित किया गया है। इस योजना में ऋणी कृषक (भू-धारक एवं बटाईदार) एवं गैर ऋणी कृषक (भू-धारक एवं बटाईदार) कृषको बीमा आवरण में सम्मिलित होने की पात्रता है। ऐसे सभी कृषक जिनका मौसम खरीफ वर्ष 2024-25 में सहकारी बैंकों एवं निजी बैंकों से ऋण लेने वाले समस्त ऋणी कृषकों के लिये यह योजना स्वैच्छिक है। ऋणी कृषकों के लिये अधिसूचित फसल के लिये वित्तीय संस्थानों में मौसमी कृषि ऋण की सीमा, कृषकों के बीमा आवेदन, प्रस्ताव प्राप्त करने की अंतिम तिथि के एक सप्ताह पूर्व निर्धारित प्रारूप में बीमा नहीं कराने के सम्बंध में आवेदन प्रस्तुत करना अनिवार्य है। एक ही अधिसूचित क्षेत्र एवं अधिसूचित फसल के लिये अलग-अलग वित्तीय संस्थानों से कृषि ऋण स्वीकृत होने की स्थिति में कृषक को एक ही वित्तीय संस्थान से बीमा करवाना होगा एवं कृषक इसकी सूचना संबंधित बैंक को स्वयं देगा। अधिसूचित इकाई में अधिसूचित फसल उगाने वाले सभी गैर ऋणी कृषक जो इस योजना में शामिल होने के इच्छुक हों, वे क्षेत्र बुआई पुष्टि प्रमाण पत्र जो क्षेत्री पटवारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी द्वारा सत्यापित हो तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर योजना में सम्मिलित हो सकते है। उन्होंने बताया कि योजना संबंधित अधिक जानकारी एवं अपनी शिकायत दर्ज कराने हेतु कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क कर सकतें। साथ ही किसान सुविधा-बजाज आलियांज़ के व्हाट्सएप चैटबोट नंबर 7030053232 पर भी अपनी फसल के नुकसान की सूचना 72 घंटे के भीतर दे सकते है।

सार समाचार

खारुन नदी में सेल्फी लेने वालों की लगी भीड़

रायपुर(समय दर्शन)। पिछले दो दिन से लगातार हो रही बारिश के बाद अब खारुन नदी भी लबालब हो गई है। बारिश होने से मौसम भी खुशनुमा हो गया है। इस कारण राजधानी रायपुर की खारून नदी के महादेव घाट पर खुशनुमा मौसम में लबालब नदी के साथ सेल्फी लेने वालों की भीड़ भी जुटने लगी है। परिवार व दोस्तों के साथ पहुंचने वाले लोग अपनी जान जोखिम में डालकर नदी के किनारे बिना किसी सुरक्षा इंतजाम के सेल्फी लेने लगे हैं, जिससे यहां कभी भी हादसा हो सकता है। इधर नदी का जल स्तर बढ़ने के बावजूद महादेव घाट पर लोगों की सुरक्षा को लेकर अब तक न ही कोई इंतजाम नहीं किया गया है और न ही नदी के डेंजर क्षेत्र में जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। सेल्फी व नहाने के चक्कर में कई लोग गंवा चुके हैं अपनी जान बारिश के दिनों में छत्तीसगढ़ में कई नदियों में सेल्फी व नहाने के चक्कर में लोग अपनी जान गवां चुके हैं। सावन का महीना शुरू हो गया है। सावन के पहले दिन ही सोमवार पड़ने के कारण महादेव घाट स्थित भगवान हठकेश्वर मंदिर में भगवान के दर्शन, जलाभिषेक व चढ़ावा चढ़ाने के लिए भक्तों की भारी भीड़ पहुंची थी। यह भीड़ सावनभर रहेगी। सबसे ज्यादा भीड़ सोमवार को जुटेगी। भक्तों में कई लोग पूजा- अर्चना के बाद नदी के तट पर जाकर सेल्फी भी लेते हैं।

लोकतंत्र में परस्पर संवाद बहुत जरूरी डॉ. रमन सिंह

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह ने आज बुधवार को यहाँ विधानसभा स्थित अपने कार्यालय कक्ष में डॉ. वन्या चतुर्वेदी की पुस्तक 'मीडिया में टिप्पणी लेखन' का विमोचन किया । इस अवसर पर डॉ रमन सिंह ने अभिव्यक्ति के विभिन्न क्षेत्रों में टिप्पणी कला के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में परस्पर संवाद बहुत ज़रूरी है और जनसंचार के क्षेत्र में सटीक टिप्पणियों से यह बखूबी किया जा सकता है। उन्होंने पुस्तक को सभी के लिए ,विशेष रूप से मीडिया छात्रों के लिए उपयोगी बताया। उन्होंने पुस्तक लेखन और प्रकाशन के लिए लेखिका डॉ. वन्या को बधाई दी। कार्यक्रम की शुरुआत में लेखिका डॉ. वन्या चतुर्वेदी ने छत्तीसगढ़ के संदर्भ में लिखी गई कुछ टिप्पणियों के माध्यम से मीडिया छात्रों को ध्यान में रखकर तैयार इस पुस्तक का परिचय दिया। वर्तमान में डॉ. वन्या सेज यूनिवर्सिटी भोपाल में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की विभागाध्यक्ष हैं । पुस्तक को छत्तीसगढ़ के वैभव प्रकाशन रायपुर ने प्रकाशित किया है।

काजल दुबे के पति ने दिया मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन को धन्यवाद

डेढ़ साल से राशन कार्ड नहीं बनने से थे परेशान कॉल सेंटर से मिला डेढ़ दिन में समाधान

रायपुर(समय दर्शन)। सुशासन के मूल्यों पर बढ़ती हुई मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार हर स्तर पर पारदर्शिता अपनाने के लिए एवं लोगों की समस्या के शीघ्र निराकरण के लिए हर स्तर पर ई गवर्नेंस और नवाचार को बढ़ावा दे रही है। रायपुर जिले में प्रशासन द्वारा शुरू किए गए जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर से समस्या का समाधान बहुत कम समय और बिना कार्यालय के चक्कर लगाए हो रहे हैं। जिला प्रशासन रायपुर द्वारा 1 दिन पहले ही जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर में नागरिकों को परेशानियों जल्द निजात मिल रहा है। निवासी बसंत विहार गुढियारी काजल किरन दुबे के पति लव कुमार दुबे ने बताया कि उन्होंने सालभर से पहले नगर निगम जोन-01 खमतराई में राशन के लिए आवेदन किया था। कई बार संपर्क करने पर भी तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए कार्ड ना बनना बताया गया था। पेशे से इलेक्ट्रीशियन लव

दुबे को 23 जुलाई सुबह बिजली सुधार के एक दुकान में जाना हुआ। वहां पर संबंधित दुकानदार के यहां अखबार में प्रकाशित समाचार से कॉल सेंटर की जानकारी मिली और उन्होंने दिए गए नंबरों पर सुबह करीब 10:15 बजे फोन कर अपनी समस्या बताई। कॉलर ने उनकी समस्या दर्ज की और कुछ समय के भीतर दुबे को संबंधित खाद्य विभाग द्वारा संपर्क कर विस्तृत जानकारी ली गई। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने जोन में संपर्क कर आवेदन वस्तुस्थिति जानी। इसके बाद आवेदन मंगा कर सारी प्रक्रियाओं को संबंधित अधिकारियों ने पूर्ण कराया। इसके बाद कॉल सेंटर पुनः दुबे से संपर्क कर आज पूर्वाहन करीब 4 बजे राशन कार्ड उनके हाथों में दे दिया गया। दुबे ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसी सुविधा मैंने कभी नही देखी। जो काम साल भर में नही हुआ वह जिला प्रशासन के कॉल सेंटर के मदद से एक कॉल में हो गया। यहीं नही समस्या दर्ज कराते ही फोन कर फॉलोअप किया जाता रहा। मै पुनः मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन का धन्यवाद देता हूं।

कांग्रेस शासन में छत्तीसगढ़ बन गया था अपराध गढ़ - किरण देव

पीड़ित को और पीड़ित करती थी कांग्रेस सरकार- किरण देव

रायपुर(समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कानून-व्यवस्था और अपराध को लेकर कांग्रेस के प्रदर्शन को मुद्दाविहीन कांग्रेस का राजनीतिक प्रदर्शन बताया है। देव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सशक्त नेतृत्व में भाजपा की प्रदेश सरकार में सबको न्याय मिलने की गारंटी है और सबको न्याय मिल रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि सभी की मुकम्मल सुरक्षा का समुचित उपाय प्रदेश सरकार ने किया है, जबकि कांग्रेस के कार्यकाल में अपराधी बेलगाम थे और अपराधियों को संरक्षण देने का काम होता था। कांग्रेस के राज में जो पीड़ित होते थे, उनकी एफ्आईआर तक दर्ज नहीं की गई थी। कांग्रेस शासनकाल में अंजाम दिए गए ऐसे तमाम अपराधों पर अब भाजपा सरकार कार्रवाई कर रही है और अपराधियों को सींखचों के पीछे डाल रही है। देव ने कहा कि इससे अधिक शर्मनाक बात और क्या हो सकती है कि कांग्रेस के शासन में कांग्रेस के ही विधायक तक तत्कालीन गृह मंत्री के सामने यह बोलते थे कि पुलिस एफ्आईआर नहीं लिखती है और सब्जी वालों, टमाटर वालों से भी पैसे वसूली करती है। देव ने कहा कि आज कानून-व्यवस्था के नाम पर प्रलाप करते कांग्रेसी पहले यह बताएं भूपेश सरकार के समय आखिर हो क्या रहा था? प्रदेश में सरकार चल रही थी या माफिया गुंडाराज? एनएसयूआई के अध्यक्ष शराब दुकानों से अवैध वसूली कर रहे थे। कांग्रेस के लोग यह कतई न भूलें कि भूपेश सरकार के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ अपराधियों का गढ़ बन गया था और अपराधी तमाम अपराध पुलिस की नाक के नीचे संगठित गिरोह बनाकर अपराध कर रहे थे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि अब भाजपा की सरकार है, जिसके शासन में अपराधियों को पकड़ा जाता है, हर अपराध की एफ्आईआर लिखी जाती है। यहाँ पर कोई अपराधी बच नहीं सकता।

5 महीने के बच्चे में विस्कॉट एल्ड्रिच सिंड्रोम का निदान किया गया, जो 10 लाख लड़कों में से 1 को प्रभावित करता है

बोन मैरो ट्रांसप्लांट से थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया और अन्य रक्त विकार तथा प्राथमिक प्रतिरक्षा कमियों जैसे रक्त विकारों का इलाज किया जा सकता है

रायपुर(समय दर्शन)। 5 महीने के बच्चे कियांश की दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी विस्कॉट एल्ड्रिच सिंड्रोम का इलाज किया गया। यह सिंड्रोम बच्चे की प्रतिरक्षा प्रणाली के समुचित कामकाज को प्रभावित करता है और प्लेटलेट्स के उत्पादन को बाधित करता है। इससे रोगियों में रक्तस्राव होने की अधिक संभावना होती है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ

हेल्थ के अनुसार, हर 10 लाख लड़कों में से केवल 1 से 10 लड़कों में ही विस्कॉट-एल्ड्रिच सिंड्रोम होता है।जबलपुर में दुर्लभ आनुवंशिक रोग से पीड़ित बच्चे का बोन मैरो ट्रांसप्लांट से किया गया इलाज। वही दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में बोन मैरो ट्रांसप्लांट और सेलुलर थेरेपी विभाग के निदेशक डॉ. गौरव खार्या ने इलाज की पुष्टि करने के लिए आनुवंशिक परीक्षण किए और कियांश के लिए तत्काल स्टेम सेल ट्रांसप्लांट की सिफारिश की। डॉ. खार्या बताते हैं, स्टेम सेल बोन मैरो में पाई जाने वाली बहुमुखी कोशिकाएँ हैं। उनमें विभिन्न विशिष्ट कोशिकाओं में विभेदित होने की उल्लेखनीय क्षमता होती है। वास्तव में, बोन मैरो ट्रांसप्लांट थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया और प्राथमिक प्रतिरक्षा कमियों जैसे कई रक्त विकारों को ठीक कर सकता है। और पिछले कुछ वर्षों में, उन्नत तकनीक और नई उपचार पद्धतियों के साथ, अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण की सफलता दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो 90 प्रतिशत तक पहुँच गई है। विस्कॉट-एल्ड्रिच सिंड्रोम वाले बच्चों में, टी कोशिकाएँ और बी कोशिकाएँ ठीक से काम नहीं करती हैं, जिससे वे गंभीर संक्रमणों के प्रति अतिसंवेदनशील हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त, उनके शरीर को प्लेटलेट्स का उत्पादन करने में कठिनाई होती है, जो थक्के बनाने और अत्यधिक रक्तस्राव को रोकने के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह रक्तस्राव त्वचा के नीचे, नाक, मसूड़ों, मुँह, मल त्याग और यहाँ तक कि मस्तिष्क में भी हो सकता है। इन बच्चों में ऑटोइम्यून हमलों का जोखिम भी अधिक होता है। हालाँकि आनुवंशिक त्रुटियों के कारण विस्कॉट-एल्ड्रिच सिंड्रोम जन्म से ही मौजूद होता है।

वरिष्ठ नागरिकों और पेंशनरों के लिए केन्द्रीय बजट निराशाजनक - वीरेन्द्र नामदेव

रायपुर(समय दर्शन)। भारतीय मजदूर संघ के अनुषांगिक संगठन वरिष्ठ नागरिक परिसंघ छत्तीसगढ़ के पूर्व प्रदेश संयोजक तथा भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री व छत्तीसगढ़ प्रदेश के अध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने कहा है कि संसद में कल केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट को देश के करोड़ों वरिष्ठ नागरिकों और पेंशनरों के लिए निराशाजनक है। श्री नामदेव ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस बजट से वरिष्ठ नागरिकों और पेंशन से जीवनयापन करने वालों की आशाएँ धूमिल हुई है। उन्होंने आगे कहा -- हमें उम्मीद थी कि रेल यात्रा में कोरोना काल से

बंद रियायत को इस बार के बजट में बहाल किया जाएगा और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की घोषणा के अनुरूप 70 वर्ष की उम्र वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए इलाज हेतु आयुष्मान भारत योजना में 5 लाख तक इजाफा किया जाएगा ,लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। श्री नामदेव ने आगे बताया कि केन्द्र एवं राज्य के पेंशनभोगी सरकारी कर्मचारी भी इस केन्द्रीय बजट से बहुत उम्मीद लगाए बैठे थे। मगर पूरे बजट में आयकर में नाममात्र की राहत को छोड़कर कहीं कुछ भी नहीं है। इस बजट में कैशलेश चिकित्सा, 80 के स्थान पर 65 वर्ष की उम्र पर अतिरिक्त पेंशन में वृद्धि, पुरानी पेंशन को बहाल किए जाने और मध्यप्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49 को विलोपित किए जाने आदि मांगों पर प्रावधान नहीं किया गया है ।इससे देश और प्रदेश के पेंशनरों को काफी निराशा हुई है।

सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वाले किए जा रहे टॉरगेट : सचिन पायलट

रायपुर(समय दर्शन)। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट रायपुर पहुंच गए हैं। सचिन पायलट विधानसभा घेराव में शामिल होंगे। एयरपोर्ट पर मिडिया कर्मियों से उन्होंने कहा कि, समूचे प्रदेश से कांग्रेस के कार्यकर्ता विधानसभा का घेराव करेंगे, चुनाव के समय किए वादे पूरा नहीं करना अलग बात है, और अपराध बढ़ना अलग बात है, रोज घटनाएं घट रही हैं, अपराध बढ़ रहा है। इस प्रकार की घटनाएं जो पहले प्रदेश में नहीं होती थी वह हो रही है, सरकार का ध्यान शासन करने में नहीं है बल्कि विपक्ष को टारगेट करने का है। केंद्र के बजट को लेकर उन्होंने कहा कि, हमारा बिहार और आंध्र प्रदेश के लोगों से कोई विरोध नहीं है, दो राज्यों को सब कुछ देकर अन्य राज्यों के साथ धोखा हुआ है छत्तीसगढ़ में 11 सीट हैं भाजपा को बहुमत मिला लेकिन छत्तीसगढ़ राज्य को इस बजट में क्या मिला ढूंढे नहीं मिलता। प्रदर्शन के लिए मंच बनाने से रोकने को लेकर कहा की लोकतंत्र में धरना करना प्रदर्शन करना हमारा अधिकार है दायित्व है एक कंस्ट्रक्टिव विपक्ष होने के नाते तो हमें आने से रोका जा रहा है, फर्जी मुकदमे किए जाते हैं चाहे युवा कांग्रेस हो या कांग्रेस हो सभी को टारगेट किया जाता है।

कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी और नेता राहुल गांधी नई दिल्ली में संसद भवन में भेदभावपूर्ण केंद्रीय बजट 2024 के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान.

यूट्यूब देखकर एटीएम से चोरी का सीखा तरीका आरोपी हुए गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी रायपुर के आजाद चौक थाना पुलिस ने एटीएम से छेड़छाड़ कर पैसे निकालने के आरोप में उत्तरप्रदेश के दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपित यहां काम की तलाश में आए थे। एटीएम में लगे सीसीटीवी से बचने बदमाश कैमरा में स्प्रे डालकर एटीएम को टेंपर करने की कोशिश करते थे। आजाद चौक के बैंक आफबड़ौदा और गंज थाना क्षेत्र के फाफडीह में एक्सीस बैंक के एटीएम से मिले सीसीटीवी के आधार पर पुलिस ने उत्तर प्रदेश, कानपुर निवासी मेहूल द्विवेदी और उन्नाव निवासी अरविंद कुमार अवस्थी को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपितों ने पूछताछ में बताया कि उनके द्वारा यू-ट्यूब से एटीएम टेंपर करने का तरीका सीखा था। इसके बाद बूथ जाकर एटीएम से छेड़खानी की। पुलिस के अनुसार लड़के दो बार एटीएम गए लेकिन पकड़े जाने की डर से निकल आए। पूछताछ में पुलिस को बताया कि यू-ट्यूब में वीडियो से जानकारी मिली कि एटीएम के पीछे की तरफएक बटन होता है, उसे दबाने पर रुपये निकलते हैं, लेकिन वह उनके अकाउंट में गिनती नहीं होती। वहीं मोबाइल में पैसा निकलने का मैसेज आता है। इस तरह वो बैंक में क्लेम कर दोबारा पैसा हासिल कर सकते हैं।

कानून व्यवस्था, बलौदाबाजार हिंसा सहित कई मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने किया जोरदार प्रदर्शन

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था, बलौदाबाजार हिंसा,आदिवासी और किसानों सहित कई मुद्दों को लेकर बुधवार को कांग्रेस ने राजधानी रायपुर में प्रदर्शन किया। बुधवार को विधानसभा घेराव करने निकले कांग्रेस नेताओं-कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रास्ते में रोक लिया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झूमा-झटकी भी हुई पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन चलाकर उन्हें रोक दिया। बता दें कि पूर्व नियोजित कार्यक्रमानुसार बुधवार को कांग्रेस नेता-कार्यकर्ता सैकड़ों की संख्या में विधानसभा घेराव के लिए निकले थे। जिसे लेकर प्रशासन की ओर से पूरे विधानसभा मार्ग को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। आने-जाने वाले रास्ते पर पुलिस ने 5 लेयर की बैरिकेडिंग की थी। हालांकि बारिश के चलते उक्त प्रदर्शन में ज्यादा संख्या में कार्यकर्ता नहीं पहुंच पाये। घेराव के लिए निकलने से पहले कांग्रेस ने एक जनसभा का आयोजन किया जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल,पूर्व उप

मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव,प्रदेश प्रभारी सचिन पायलेट,प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैजसहित कई कांग्रेस पदाधिकारी मौजूद थे। सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट ने कहा- पत्रकार ने मुझसे पूछा कि अभी तो भाजपा सरकार को सिर्फ6 माह हुआ हैं, फिर विधानसभा घेराव की जरूरत क्यों पड़ी। मैंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता के लिए जीती है, मरती है। जब प्रदेश की सरकार नींद में है, तो उसे जगाने के लिए, उसकी नींद तोडऩे के लिए ऐसा करना पड़ा। पायलट ने कहा- ये सरकार घमंड में है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर झूठे मुकदमें करती है। अपनी नाकामी छिपाने के लिए, आम जन को परेशान करती है। बलौदाबाजार के लोगों से पूछो, हिंसा फैलाने कौन लोग आए थे। सूचना तंत्र सो रहा था। ये सरकार रायपुर से नहीं दिल्ली से चलती है। हम हिंसा में विश्वास नहीं करते, जो हिंसा करे उसकी निंदा करते है। लेकिन हम लोगों, किसानों की आवाज उठाते आए हैं। भूपेश बघेल ने कहा कि जो हमारी सरकार में पांच साल में नहीं हुआ वह साय सरकार ने छह माह में हो गया। उन्होंने पूछा कि विष्णुदेव बताये कि कब कलेक्ट्रेट में आग लगी, कब हमारी सरकार में नक्सली बताकर आदिवासियों को मारा गया। आज बीजेपी के गुंडे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई करने दबा बना रहे हैं एवं पुलिस काम करने नहीं दे रहे हैं। बघेल ने कहा कि बलौदाबाजार हिंसा छत्तीसगढ़ के इतिहास में काला धब्बा है। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि हमारी लड़ाई बिगड़ती कानून व्यवस्था से है। हमारे लोग विधानसभा में और कार्यकर्ता बाहर लड़ रहे है। बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सरकार है या नही जनता को पता भी नही है। कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच जमकर धक्कामुक्की हुई इस दौरान बेरिकेट्स तोडऩे के दौरान महापौर एजाज ढेबर ने पुलिस कर्मियों से अभद्रता भी करने लगे वहीं बेरिकेट्स तोडऩे के चक्कर में घायल हो गये और उनकी तबीयत बिगड़ गई जिसके बाद महापौर को पंडरी के अस्पताल में उपचार के भर्ती कराया गया।

संपादकीय

कोई राज्य हाईवे कैसे बंद कर सकता है

सर्वोच्च अदालत ने हरियाणा सरकार से अंबाला के पास शंभू बॉर्डर पर लगाए अवरोधक हटाने का निर्देश दिया है। अदालत ने राजमार्ग को अवरुद्ध करने के अधिकार पर भी प्रश्न उठाए। कोई राज्य हाईवे को कैसे बंद कर सकता है। यातायात नियंत्रित करने को उसका दायित्व बताते हुए अदालत ने कहा कि किसान भी देश के नागरिक हैं। उन्हें खाना दीजिए, चिकित्सकीय देखभाल कीजिए। पीठ ने कहा वे आएंगे, नारे लगाएंगे, वापस चले जाएंगे। संयुक्त किसान मोर्चा, किसान मजदूर मोर्चा द्वारा फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी सहित विभिन्न मांगों को लेकर दिल्ली चलो की घोषणा के बाद हरियाणा सरकार ने फरवरी में अंबाला-नई दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग में बैरीकेड्स लगा दिए थे। शीर्ष अदालत हरियाणा सरकार की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। जैसा कि फरवरी में प्रदर्शनकारी किसानों और हरियाणा के सुरक्षाकर्मियों के दरम्यान हुई झड़प में हुई किसान की मौत की जांच के लिए उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में पैनल गठित करने का निर्देश दिया था। राज्य सरकार का कहना है कि 400-500 किसान पंजाब की तरफ बैठे हैं। सबसे बड़ी अदालत की नाराजगी उस यातायात अव्यवस्था के कारण है, जिससे जनता को हर रोज जूझना पड़ता है। इस पर हैरत नहीं होती कि सरकारें किस बेरुखी से व्यस्त सड़कों पर अवरोधक लगाने के आदेश जारी कर देती हैं। पांच महीनों से ऐसी सड़क को बाधित रखना, जिसका प्रयोग ढेरों लोग नियमित तौर पर करते हैं। यहां तो किसानों के उग्र आंदोलन की दलील दी जा सकती है जबकि देखने में आता है कि राजनेताओं की सुविधा और उनके कार्यक्रमों के मद्देनजर देश भर में अवरोधकों के धड़ल्ले से उपयोग होते रहते हैं। अदालतों की कड़ी टिप्पणियों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होती। सरकारी आदेशों या नियमों के विरोध का हक नागरिकों से छीना नहीं जा सकता। उन्हें काबू में रखने के तरीके मानवीय और व्यावहारिक भी हो सकते हैं।

कारगिल विजय दिवस

कारगिल विजय दिवस भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन है, जो हर वर्ष 26 जुलाई को मनाया जाता है। यह दिवस भारतीय सेना के साहस, बलिदान और देशभक्ति का प्रतीक है। इस महत्वपूर्ण दिवस के इतिहास, महत्व और वर्तमान समय में इसके प्रभाव पर विस्तार से चर्चा करना आवश्यक है। कारगिल युद्ध का इतिहास 1999 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष से जुड़ा है। यह युद्ध मई से जुलाई तक लगभग तीन महीने तक चला। इस युद्ध की शुरुआत तब हुई जब पाकिस्तानी सेना और कश्मीरी आतंकवादियों ने भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की और कारगिल के ऊंचे पहाड़ी इलाकों पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन विजय' के तहत इन घुसपैठियों को खदेड़ने का अभियान शुरू किया। यह एक कठिन लड़ाई थी क्योंकि दुश्मन ऊंचे स्थानों पर था और भारतीय सैनिकों को नीचे से ऊपर की ओर लड़ना पड़ रहा था। इसके बावजूद, भारतीय सेना ने अपने असाधारण साहस और बलिदान से इस मुश्किल चुनौती का सामना किया।

26 जुलाई, 1999 को भारतीय सेना ने सभी प्रमुख चौकियों को पुनः प्राप्त कर लिया और विजय हासिल की। इस युद्ध में 527 भारतीय सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति दी और लगभग 1,363 सैनिक घायल हुए। यह युद्ध न केवल भारत की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन था, बल्कि इसने देश की एकता और दृढ़ संकल्प को भी दर्शाया।

कारगिल विजय दिवस का महत्व कई स्तरों पर देखा जा सकता है। यह दिवस भारत की राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। इस दिन, पूरा देश एकजुट होकर अपने वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देता है। यह हमारे सशस्त्र बलों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है, जो हमारी सीमाओं की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित करते हैं। इस दिन के समारोह युवा पीढ़ी में देशभक्ति की भावना जगाते हैं और उन्हें देश के लिए त्याग करने की प्रेरणा देते हैं। साथ ही, यह दिवस हमें भारत के इतिहास के एक महत्वपूर्ण मोड़ की याद दिलाता है और हमें अपने अतीत से सीखने का अवसर देता है। वर्तमान समय में कारगिल विजय दिवस का प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों में देखा जा सकता है। कारगिल युद्ध के अनुभवों ने भारतीय सेना को अपनी रणनीतियों और तकनीकों को अपग्रेड करने में मदद की है। आज, भारत की सीमा सुरक्षा पहले से कहीं अधिक मजबूत है। इस युद्ध ने भारत-पाकिस्तान संबंधों को गहराई से प्रभावित किया है और यह घटना दोनों देशों के बीच तनाव का एक प्रमुख कारण रही है। कारगिल युद्ध ने मीडिया और फिल्म उद्योग को भी प्रभावित किया है। इस घटना ने कई फिल्मों, पुस्तकों और टेलीविजन कार्यक्रमों को प्रेरित किया है, जो इस युद्ध और इसके नायकों की कहानियों को जीवंत रखते हैं। शैक्षिक क्षेत्र में भी इसका प्रभाव देखा जा सकता है। कारगिल युद्ध अब भारतीय इतिहास के पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो छात्रों को देश की सुरक्षा चुनौतियों और सैनिकों के बलिदान के बारे में शिक्षित करता है।

इसके अलावा, कारगिल क्षेत्र अब एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल बन गया है। हर साल हजारों लोग यहां आते हैं, युद्ध स्मारकों का दौरा करते हैं और शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं। यह न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है, बल्कि लोगों को इस महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटना से जुड़ने का अवसर भी प्रदान करता है। कारगिल विजय दिवस केवल एक युद्ध की जीत का स्मरण नहीं है, बल्कि यह भारतीय सेना के साहस, देशभक्ति और बलिदान का प्रतीक है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि हमारी स्वतंत्रता और सुरक्षा की कीमत क्या है और हमें अपने सैनिकों के प्रति कृतज्ञ रहने की प्रेरणा देता है। आज के समय में, जब दुनिया भर में सुरक्षा चुनौतियाँ बढ़ रही हैं, कारगिल विजय दिवस हमें एकजुट रहने और अपने देश की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का संदेश देता है। यह दिवस न केवल अतीत की याद दिलाता है, बल्कि भविष्य के लिए भी हमें तैयार करता है, ताकि हम अपने देश की सुरक्षा और समृद्धि को सुनिश्चित कर सकें।

-वासवी राजू बरडे

कारगिल फतह : भारत माता के माथे पर शौर्य का टीका

प्रो. मनोज कुमार

युद्ध किसी समस्या का हल नहीं होता है लेकिन जब बात देश की अस्मिता, सुरक्षा और सम्प्रभुता पर आए जाए तो एकमात्र विकल्प युद्ध शेषरह जाता है। 25 वर्ष पहले भारत के चिर-परिचित दुश्मन पाकिस्तान ने दोनों देशों को युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया। दो माह की लम्बी लड़ाई के बाद भारत युद्ध फ्तह करने में कामयाब रहा. भारतीय नौजवानों ने अपने खून से भारत माता के माथे पर शौर्य का टीका लगाकर उसके मान में श्रीवृद्धि की। इस कारगिल युद्ध, जिसे ऑपरेशन विजय के नाम से भी जाना जाता है। 26 जुलाई 1999 को भारत ने कारगिल युद्ध में विजय हासिल की थी। इस दिन को हर वर्ष विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। करीब दो महीने तक चला कारगिल युद्ध भारतीय सेना के साहस और जाँबाजी का ऐसा उदाहरण है जिस पर हर भारतीय देशवासी को गर्व होना चाहिए। करीब 18 हजार फीट की ऊँचाई पर कारगिल में लड़ी गई इस जंग में देश ने लगभग 527 से ज्यादा वीर योद्धाओं को खोया था वहीं 1300 से ज्यादा घायल हुए थे। युद्ध में 2700 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और 750 पाकिस्तानी सैनिक जंग छोड़ के भाग गए। भारत और पाकिस्तान के बीच मई और जुलाई 1999 के बीच कश्मीर के करगिल जिले में हुए सशस्त्र संघर्ष का नाम है। पाकिस्तान की सेना और कश्मीरी उग्रवादियों ने भारत और पाकिस्तान के बीच की नियंत्रण रेखा पार करके भारत की ज़मीन पर कब्ज़ा करने की कोशिश की। पाकिस्तान ने दावा किया कि लड़ने वाले सभी कश्मीरी उग्रवादी हैं, लेकिन युद्ध में बरामद हुए दस्तावेज़ों और पाकिस्तानी नेताओं के बयानों से साबित हुआ कि पाकिस्तान की सेना प्रत्यक्ष रूप में इस युद्ध में शामिल थी। लगभग 30,000 भारतीय सैनिक और करीब 5000 घुसपैठिए इस युद्ध में शामिल थे। भारतीय सेना और वायुसेना ने पाकिस्तान के कब्ज़े वाली जगहों पर हमला किया और धीरे-धीरे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से पाकिस्तान को सीमा पार वापिस जाने को मजबूर किया। यह युद्ध ऊँचाई वाले इलाके पर हुआ और दोनों देशों की सेनाओं को लड़ने में काफ़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। परमाणु बम बनाने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ यह पहला सशस्त्र संघर्ष था।

पाकिस्तान की सेना और कश्मीरी उग्रवादियों ने रुशष्ट करके भारत की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की थी। हालांकि इंडियन आर्मी के बहादुर जवानों ने न सिर्फ पाकिस्तान को इस लड़ाई में धूल चटाई, बल्कि शौर्य की एक ऐसी मिसाल पेश की जो इतिहास के पन्नों में अपनी जगह बना गई। इस युद्ध की शुरुआत 3 मई 1999 को ही हो गई थी जब पाकिस्तान ने कारगिल की ऊंची पहाडियों पर 5 हजार से भी ज्यादा सैनिकों के साथ घुसपैठ कर कब्जा जमा लिया था। भारत सरकार को जब घुसपैठ की जानकारी मिली तब पाकिस्तानी सैनिकों को खदेड़ने के लिए ऑपरेशन विजय चलाया गया। पाकिस्तान ने दावा किया था कि इस लड़ाई में लड़ने वाले सभी कश्मीरी उग्रवादी हैं, लेकिन युद्ध में बरामद हुए दस्तावेजों और पाकिस्तानी नेताओं के बयानों से साबित हुआ कि पाकिस्तान की सेना प्रत्यक्ष रूप में इस युद्ध में शामिल थी।

8 मई 1999 को पाकिस्तान की 6 नॉर्दर्न लाइट इंफैंट्री के कैप्टन इफ्तेखार और लांस हवलदार अब्दुल हकीम 12 सैनिकों के साथ कारगिल की आजम चौकी पर कब्जा जमाए बैठे हुए थे। उन्होंने देखा कि कुछ भारतीय चरवाहे कुछ दूरी पर अपने मवेशियों को चरा रहे थे। पाकिस्तानी सैनिकों ने आपस में इन चरवाहों को बंदी बनाने को लेकर चर्चा की, लेकिन जब उन्हें लगा कि ऐसा करने की सूरत में चरवाहे उनका राशन खा जाएंगे, तो उन्होंने उन्हें वहां से जाने दिया। कुछ देरा बाद ये चरवाहे भारतीय सेना के 6-7 जवानों के साथ वहां वापस लौटे, और पाकिस्तान के नापाक इरादों की पोल खुल गई। पाकिस्तान का मकसद यही था कि भारत की सुदूर उत्तर की टिप पर सियाचिन ग्लेशियर की लाइफ लाइन को किसी तरह काट कर उस पर नियंत्रण किया जाए। पाकिस्तानी सैनिक उन पहाडियों पर आना चाहते थे जहां से वे लद्दाख की ओर जाने वाली रसद के जाने वाले काफिलों की आवाजाही को रोक दें और भारत को मजबूर हो कर सियाचिन छोडना पड़े। दरअसल, मुशर्रफ को यह बात बहुत बुरी लगी थी कि भारत ने 1984 में सियाचिन पर कब्जा कर लिया था। उस समय वह पाकिस्तान की कमांडो फोर्स में मेजर हुआ करते थे। उन्होंने कई बार उस जगह को खाली करवाने की कोशिश की थी लेकिन कामयाब नहीं हो पाए।

कारगिल की लड़ाई शुरू में भारत के लिए काफी मुश्किल साबित हो रही थी, लेकिन बोफोर्स और एयर फोर्स की एंट्री ने पूरी तस्वीर ही बदल दी। बोफोर्स तोपों के हमले तो इतने भयानक और सटीक थे कि उन्होंने पाकिस्तानी चौकियों को पूरी तरह तबाह कर दिया था। पाकिस्तानी सैनिक बिना किसी रसद के लड़ रहे थे और भारतीय सैनिकों की दिलेरी के आगे उनकी एक नहीं चल पा रही थी। वहीं, कारगिल में वायु सेना की सबसे बड़ी भूमिका मनोवैज्ञानिक थी क्योंकि पाकिस्तानी सैनिकों को जैसे ही ऊपर से भारतीय जेटों की आवाज सुनाई पड़ती, वे बुरी तरह घबरा जाता थे और इधर उधर भागने लगते थे। पाकिस्तान ने इस युद्ध की शुरूआत 3 मई 1999 को ही कर दी थी जब उसने कारगिल की ऊँची पहाडियों पर 5,000 सैनिकों के साथ घुसपैठ कर कब्जा जमा लिया था। इस बात की जानकारी जब भारत सरकार को मिली तो सेना ने पाक सैनिकों को खदेड़ने के लिए ऑपरेशन विजय चलाया। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के खिलाफ मिग-27 और मिग-29 का भी इस्तेमाल किया। इसके बाद जहाँ भी पाकिस्तान ने कब्जा किया था वहाँ बम गिराए गए। इसके अलावा मिग-29 की सहायता से पाकिस्तान के कई ठिकानों पर आर-77 मिसाइलों से हमला किया गया। इस युद्ध में बड़ी संख्या में रॉकेट और बमों का इस्तेमाल किया गया। इस दौरान करीब दो लाख पचास हजार गोले दागे गए। वहीं 5,000 बम फायर करने के लिए 300 से ज्यादा मोर्टार, तोपों और रॉकेटों का इस्तेमाल किया गया। युद्ध के 17 दिनों में हर रोज प्रति मिनट में एक राउंड फायर किया गया। बतायाक ऐसा युद्ध था जिसमें दुश्मन देश की सेना पर इतनी बड़ी संख्या में बमबारी की गई थी।

भारत ने बहुत कुछ खोया, पर पाकिस्तान बर्बाद हो गया- कारगिल की लड़ाई में भारत ने जहां बहुत कुछ खोया, वहीं पाकिस्तान पूरी तरह बर्बाद होकर रह गया। इस जंग में जहां भारत के 527 सैनिक शहीद हुए थे, वहीं पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफके मुताबिक उनके 2700 से 4000 सैनिक मारे गए थे। जंग के बाद पाकिस्तान में राजनैतिक और आर्थिक अस्थिरता बढ़ गई और नवाज शरीफकी सरकार को हटाकर परवेज मुशर्रफ सत्ता पर काबिज हो गए। वहीं, भारत में जंग ने देशप्रेम को उफान पर ला दिया और अर्थव्यवस्था को भी काफी मजबूती मिली। इंडियन आर्मी के बहादुर जवानों ने न सिर्फ पाकिस्तान को इस लड़ाई में धूल चटाई, बल्कि शौर्य की एक ऐसी मिसाल पेश की जो इतिहास के पन्नों में अपनी जगह बना गई। इस लड़ाई की शुरुआत 3 मई 1999 को ही हो गई थी जब पाकिस्तान ने कारगिल की ऊंची पहाडियों पर 5 हजार से भी ज्यादा सैनिकों के साथ घुसपैठ कर कब्जा जमा लिया था। भारत सरकार को जब घुसपैठ की जानकारी मिली तब पाकिस्तानी सैनिकों को खदेड़ने के लिए ऑपरेशन विजय चलाया गया। पाकिस्तान ने दावा किया था कि इस लड़ाई में लड़ने वाले सभी कश्मीरी उग्रवादी हैं, लेकिन युद्ध में बरामद हुए दस्तावेजों और पाकिस्तानी नेताओं के बयानों से साबित हुआ कि पाकिस्तान की सेना प्रत्यक्ष रूप में इस युद्ध में शामिल थी।

भारत ने एलओसी क्यों नहीं* *पार की ?- भारत के पास कारगिल युद्ध में जीत के बाद पीओके पर कब्जा करने का मौका था और भारत ऐसा कर भी सकता था लेकिन भारत ने ऐसा नहीं किया. इसकें पीछे कई कारण है. इनमें से सबसे प्रमुख कारण यह है कि भारत 1971 के शिमला समझौते के तहत एलओसी की स्थिति को बनाये रखना चाहता था. अमेरिका और चीन सहित दुनिया के कई देशों ने पाकिस्तान की इस घुसपैठ को आक्रामक रूप में देखा क्योंकि पाकिस्तान ने एलओसी पार कर लिया था. भारत ऐसा नहीं करना चाहता था क्योंकि यह एक नए युद्ध की शुरुआत भी हो सकती थी. यदि भारत ऐसा करता तो पाकिस्तान के पास पाकिस्तानी सेना को पंजाब, जैसलमेर जैसे पश्चिमी क्षेत्रों में मोर्चा खोलने का बहाना मिल जाता. पाकिस्तान ये भी नहीं मान रहा था कि कारगिल में उसकी ही सेना लड़ रही है. इसलिए अगर भारत सीमित ऑपरेशन रखेगा तो इससे युद्ध नहीं होगा इसलिए भारत ने ऐसा नहीं किया.

कारगिल युद्ध इतिहास के पन्नों में पाकिस्तान की पराजय और भारत की विजय के रूप में दर्ज है। भारत से दुश्मनी मोल लेने वाले इसके पहले भी अन्य देशों ने पराजय का मुँह देखा है और पाकिस्तान को 25 वर्ष पहले एक बार फिर पराजय का मुँह ताकना पड़ा. भारत की नीति शांति की रही है लेकिन बात जब देश पर आती है तो वह आने वाले समय में ऐसे कई कारगिल विजय हासिल करने के लिए तैयार है. भारत माता के माथे पर शौर्य और विजय का टीका लगाकर हमारे वीर जवान संदेश देते हैं हमसे जो टकराएगा, मिट्टी में मिल जाएगा. विजयी सैनिकों का भारत इश्तकाबाल करता है और जिन्हें खोया उनके प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि व्यक्त करता है.

बढ़ती आबादी के बीच गंभीर होती पर्यावरण चुनौतियां

ललित गर्ग

संयुक्त राष्ट्र द्वारा हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार भारत की आबादी 2060 के दशक में 1 अरब 70 करोड़ तक पहुंच जाने का अनुमान है, जैसे-जैसे आबादी बढ़ती जा रही है, पर्यावरण से जुड़ी समस्याएं गंभीर चुनौती बनती जा रही है। हमें संसाधनों के विस्तार एवं विकास की योजनाओं के बीच पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, आवास, उद्योग, परिवहन आदि विकास योजनाओं को लागू करते हुए प्रकृति, पर्यावरण एवं जलवायु पर ध्यान केन्द्रित करना होगा। हर विकास के अपने सकारात्मक और नकारात्मक नतीजे होते हैं। सभी विकास योजनाओं में पर्यावरण का ख्याल रखना जरूरी है। अगर बिना पर्यावरण की परवाह किये विकास किया गया तो यह मनुष्य के लिये विनाश एवं विध्वंस का कारण बनेगी। वर्तमान में भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी के साथ-साथ तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होते हुए विकास की नई गाथा लिख रहा है, लेकिन इसी के साथ पर्यावरण की उपेक्षा के कारण अनेक पर्यावरण समस्याएं विनाश एवं विध्वंस का कारण भी बन रही है। शहरी विकास की प्रक्रिया ने गाँवों के सामने अस्तित्व का संकट उत्पन्न कर दिया है। शहरों का अनियोजित विकास से महानगरों में असुरक्षित परिवेश, बढ़ता प्रदूषण, जल एवं शुद्ध हवा का अभाव ऐसी समस्याएं हैं जो जीवन अस्तित्व को बचाये रखने के लिये चुनौती बन रही है। उन्नत विकास के लिए सड़क चाहिए, बिजली चाहिए, जल चाहिए, मकान चाहिए, मैट्रों चाहिए और ब्रिज चाहिए। इन सबके लिए या तो खेत होम हो रहे हैं या फिर जंगल। जंगल को हजम करने की चाल में पेड़, जंगली जानवर, पारंपरिक जल स्रोत सभी कुछ नष्ट हो रहा है। यह वह नुकसान है जिसका हर्जाना संभव नहीं है और यही पर्यावरण प्रदूषण का बड़ा कारण है। विकास की ऊंचाइयां छूने के साथ हमें पर्यावरण संरक्षण की सीढ़ियां लगानी होगा। भारत के उद्योगों के लिये पर्यावरण आधारित लक्ष्यों को निर्धारित करने की जरूरत है जैसे परिवहन, खाद्य और कृषि, प्लास्टिक, पैकेजिंग, धातु और खनिज, भवन-निर्माण, सीमेंट, कपड़ा, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और निर्माण। इनमें से परिवहन उद्योग को खाद्य और गीले कूड़े के दूसरे रूप के उचित निस्तारण से जोड़ कर इसे अधिक टिकाऊ बनाने में अलग-अलग स्तर पर सरकारें महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं। ऐसा अनुमान है कि 2050 के हिसाब से भारत में 70 प्रतिशत इमारतों का निर्माण होना अभी बाकी है, ऐसे में पूरे निर्माण उद्योग को पर्यावरण अनुकूल आर्थिक पद्धति से जोड़ना भारत के आवासीय और शहरीकरण रोडमैप के लिए नितांत अपेक्षित है। इसी तरह हर उद्योग के लिए पर्यावरण अनुकूल पद्धति को अपने कारोबार और रणनीति में जोड़ना जरूरी है।

भारत जैसे विकासशील देशों में बुनियादी ढांचे के विकास की बहुत गुंजाइश और जरूरत है। अगर यह बुनियादी विकास व्यापक दायरे में और पर्यावरण के महत्व को ध्यान में रखते हुए किया जाए, तो हम देश के लिए सतत एवं संतुलित विकास की उम्मीद कर सकते हैं। भारत में कई सड़क परियोजनाएं संसाधनों का बुद्धिमानी से उपयोग कर रही हैं। इसका एक प्रमुख उदाहरण सड़क निर्माण में प्राथमिक सामग्री के रूप में स्टील ग्रिट्स का पुनः उपयोग करना है। सड़कों के किनारों पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया जाना है। भारत जैसे देश में जहाँ जनसंख्या बहुत अधिक है और संसाधन सीमित हैं, नीति निर्माताओं के लिए पर्यावरण संरक्षणवादी होना अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। हम पहले से ही अतीत की नासमझ प्रथाओं के नकारात्मक परिणामों का सामना कर रहे हैं, जिन्होंने पृथ्वी के संसाधनों को नष्ट कर दिया है, लोगों को स्वस्थ पर्यावरण और वन्यजीवों को उनके प्राकृतिक आवास से वंचित कर दिया है। हमें हर कीमत पर पर्यावरण का संरक्षण और सुरक्षा करनी होगी और पृथ्वी को सभी के लिए एक बेहतर और स्वच्छ आवास बनाने के लिए उपाय करने होंगे, साथ ही साथ अर्थशास्त्र और मानव जीवन को प्रभावित करने वाले हर दूसरे पहलू में स्थायी रूप से पर्यावरण मूलक विकास करना होगा। जरूरत है तकनीकी आविष्कार की जो पर्यावरण अनुकूल अर्थव्यवस्था को संभव और सक्षम बना सके। भारत को देशव्यापी जागरूकता अभियान की भी जरूर है जिसमें घरेलू स्तर पर कूड़ों को अलग-थलग करने के महत्व पर जोर दिया जाए। गीले और सूखे कूड़े का अलग-अलग निपटारा गीले कूड़े के कैलोरी वैल्यू का पता लगाने और सूखे कूड़े को रिसाइकल करने के लिए महत्वपूर्ण है। साथ ही केंद्र सरकार की ओर से जारी अलग-अलग दूसरे नियम जैसे प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, ई-वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, कंस्ट्रक्शन एंड डेमोलिशन वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, मेटल्स रिसाइकलिंग पॉलिसी इत्यादि को राष्ट्रीय पर्यावरण अनुकूल रोडमैप के साथ जरूर जोड़ा जाना चाहिए।

जल के बिना जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती है। जीवन-निर्वाह के लिए निर्मल एवं पेयजल की आपूर्ति आवश्यक है। जल प्रदूषण के मुख्य कारक हैं- घरों से निकलने वाला कूड़ा-कचरा एवं अपशिष्ट पदार्थ, फैक्ट्रियों से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थ आदि। जल प्रदूषण का दुष्परिणाम यह होता है कि जल का ताप, उनका रंग, उसकी गंध एवं रेडियोधर्मिता में अंतर आ जाता है। जल प्रदूषण का दुष्प्रभाव फसलों एवं मिट्टी पर भी पड़ता है। इसकी रोकथाम के लिए फैक्ट्रियों को यह निर्देश दिया जाना चाहिए कि अपशिष्ट युक्त पानी को स्वच्छ कर ही निस्तारित किया जाए। जल आपूर्ति के लिए बिछाई गए पाइपों के जोड़ उचित ढंग से जोड़े जाएं। कुछ रासायनिक कण मानव के लिए हानिकारक होते हैं। वे मुख्य रूप से सीसा, जस्ता, लोहा, कैडमियम, फ्लोराइड, निकल, क्लोरीन, बेरियम आदि हैं। ये वायु,, जल, मृदा आदि को प्रदूषित कर मानव-मस्तिष्क में विकार पैदा करते हैं। इनके दुष्परिणाम से यकृत और वृक्क भी प्रभावित होते हैं।

पर्यावरण का संतुलन प्रकृति, संस्कृति एवं विकृति के त्रिक पर आश्रित है। प्रकृति नियति का नैसर्गिक स्वरूप है। संस्कृति जीवन-शैली है। संस्कृति ही मानव में देवत्व उभारती है। विकृति वस्तुतः संस्कृति एवं प्रकृति दोनों की विलोम स्थिति है। विकृति के फलस्वरूप समाज में असुरता एवं विध्वंस बढ़ने लगते हैं। प्रकृति को संवारना संस्कृति है, जबकि इसको बिगाड़ना विकृति। प्राणिजगत् के लिए संतुलित पर्यावरण अत्यंत आवश्यक है, लेकिन पर्यावरण को प्रदूषित एवं असंतुलित करने के जिन उपर्युक्त कारकों को रेखांकित किया गया है, उन सभी का मुख्य कारण मानव समुदाय ही है। अदूरदर्शिता, स्वार्थ, लोभ, अनियंत्रित विकास, सुविधा-भोग, जनसंख्या-विस्फोट आदि ने पर्यावरण को प्रदूषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पर्यावरण और सृष्टि के बीच एक घनिष्ठ संबंध रहा है। सृष्टि-परिवर्तन के प्रभाव से पर्यावरण में भी परिवर्तन होता है। यदि परिवर्तन जीव-जगत् के लिए अनुकूल होता है तो यह कहा जाता है कि वे हमारे लिए ग्राह्य है। यदि परिवर्तन से प्राणी को प्रतिकूलता प्रतीत होती है तो वे अग्राह्य हैं। यही प्रतिकूलता प्रदूषण का कारण बनती है।

पर्यावरण असंतुलित होने का सबसे बड़ा कारण आबादी का बढ़ना है जिससे आवासीय स्थलों को बढ़ाने के लिए वन, जंगल यहाँ तक कि समुद्रस्थलों को भी छोटा किया जा रहा है। पशुपक्षियों के लिए स्थान नहीं है। इन सब कारणों से प्राकृतिक का सतुंलन बिगड़ गया है और प्राकृतिक आपदाएँ बढ़ती जा रही हैं। वर्तमान में विकास की जो प्रक्रिया है वह पर्यावरण विनाश एवं प्रदूषण का कारण है। इसलिए यह सामयिक चुनौती है कि पर्यावरण को प्रदूषण से मुक्त कैसे रखा जाए? पर्यावरण-अनुकूल जीवन की ओर बदलाव हमारे ग्रह के भविष्य, मानव-जीवन के अस्तित्व, व्यक्तिगत भलाई और आर्थिक समृद्धि में एक निवेश है। हम जो भी पर्यावरण के प्रति जागरूक विकल्प चुनते हैं वह एक स्वच्छ, हरित और अधिक टिकाऊ दुनिया की ओर एक कदम है।

एक्स्ट्रा बॉडी फैट कम करने के योगासन

वजन कम करने में सहायक है योगासन वजन कम करने के अलावा दिमाग को शांत रखने में करता है मदद इम्यून सिस्टम को भी बनता है मजबूत। आजकल हर लड़की बॉलीवुड एक्ट्रेस जैसा सुंदर दिखने के साथ-साथ स्लिम एंड फिट फिगर भी चाहती है। जाहिर है स्लिम फिगर में एक्सरसाइज और योगासन का अहम रोल है। लेकिन आलस या समय की कमी के कारण बहुत सी लड़कियां फिजिकल एक्टिविटी पर ध्यान नहीं दे पाती हैं। इसक नतीजा यह होता है कि उन्हें मोटापे का सामना करना पड़ता है। खराब लाइफस्टाइल और एक्सरसाइज की कमी के कारण हिप्स, थाइज और बटक्स पर फैट जम जाता है। इससे आपकी बॉडी शेप खराब हो जाती है। अगर आप भी बॉलीवुड एक्ट्रेस की तरह स्लिम ड्रिम फिगर पाना चाहती हैं, तो हम आपको कुछ योगासन बता रहे हैं जिनका आपको रोजाना अभ्यास करना चाहिए। इससे आपको हिप्स, थाइज और बटक्स का मोटापा कम करने में मदद मिल सकती है।

उत्कटासन : इस आसन से हिप्स और थाइज की मसल्स का दर्द दूर होने के साथ उन्हें टोन मिलता है। इतना ही नहीं नियमित रूप से इस आसन को करने से इन हिस्सों की मसल्स को मजबूती भी मिलती है।

वीरभद्रासन : इस आसन से आपके पैरों पर काम होता है खासकर इनर थाइज में। इससे पैरों का फैट कम होता है और मसल्स मजबूत बनती हैं। सबसे खास बात एक ही समय में दोनों पैरों का वर्कआउट हो जाता है।

नटराजासन : इससे हिप्स पर काम होता है और उन्हें बेहतर शेप मिलती है। इससे थाइज की बहारी और आंतरिक मसल्स को मजबूती मिलती है। इतना ही नहीं इससे पेल्विक से लेकर पंजों तक काम आता है।

नावासन : यह एक बेहद सरल आसन है जिससे आपके एब्स और इनर थाई टोन होती है। इसे करने के लिए अपने हाथों से पैरों की उंगलियां पकड़ने की कोशिश करें। अधिक लाभ पाने के लिए इस स्थिति में जितनी देर संभव हो रहें।

पुर्वोत्तासन : इससे आपकी बाहरी जांघों पर काम होता है। इसके अलावा आर्म्स को स्ट्रेंथ और टोन करने में मदद मिलती है। इस मुद्रा में जब आप अपने पैर और हाथों के बल पर शरीर को ऊपर उठाते हैं तो इससे हैमस्ट्रिंग और ग्लट्स पर काम होता है।

अधो मुख श्वानासन : यह योगासन दिखने में आराम-दायक है लेकिन आपके शरीर के ऊपरी हिस्से के लिए काफी मुश्किल है। इसे करने के लिए पेट के बल जमीन पर सीधा लेट जाएं। अब हथेलियों और एड़ियों के बल पर अपने शरीर को ऊपर उठाएं।

साइड फिर्स पोज़ : इससे कोर के अलावा आपकी थाई और ग्लट्स की मसल्स पर भी काम होता है। इसे करने के लिए आपके एक हाथ फर्श पर और दूसरा हाथ उसकी सीध में ऊपर ले जाना होता है। ऐसा करने से आपको थाई में दबाव महसूस होगा।

त्वचा की देखभाल के लिए घर पर बनाएं गुलाब जल

गुलाब जल एक सुगंधित जल होता है। इसे गुलाब की पंखुड़ियों से बनाया जाता है। ये अपने एंटी- इंफ्लेमेटरी गुणों के लिए जाना जाता है। ये त्वचा की जलन और त्वचा की स्थिति जैसे रोसैसिया, एक्जिमा और यहां तक कि अत्यधिक रूखेपन को शांत करने में मदद करता है। इसके अलावा, ये त्वचा के पीएच स्तर को बनाए रखने में भी मदद करता है। त्वचा के लाभों से भरपूर गुलाब जल को आप ब्यूटी रूटीन में शामिल कर सकते हैं।

गुलाब जल – कुछ ताजे गुलाब खरीदें, तने को काट लें और पंखुड़ियों को बाहर निकालना शुरू करें। इसके लिए आप कुछ ऑर्गेनिक रूप से उगाए गए गुलाबों का इस्तेमाल कर सकते हैं, जो किसी भी कीटनाशक या केमिकल से रहित हों।

इन्हें धो लें – किसी भी तरह की गंदगी निकालने के लिए पंखुड़ियों को अच्छी तरह धो लें और फिर एक पैन में पानी डालें। इसमें पंखुड़ियों डालें। पानी इतना डालें कि पंखुड़ियां ढ़क जाएं।

पैन गर्म करें – अब पैन को ढककर धीमी आंच पर 10-15 मिनट तक इसे पकाएं। इस प्रक्रिया में पंखुड़ियां अपना हल्का रंग छोड़ती है।

पानी को छान लें – ऐसे में पंखुड़ियां हल्की हो जाएगी। इसके बाद पानी को छान लें। आप पंखुड़ियों को दबा भी सकते हैं। इसे कुछ देर के लिए ठंडा होने दें और इसे लंबे समय तक चलने के लिए फ्रिज में रख दें।

क्या होता है गुलाब जल

गुलाब जल को गुलाब की पंखुडियों से डिस्टिलिंग करके बनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इसकी शुरुआत ईरान से हुई थी। यहां गुलाब जल का इस्तेमाल खाना बनाने, स्किनकेयर, बालों की देखभाल और इत्र के लिए किया जाता रहा है। गुलाब जल एक नेचुरल एस्ट्रिंजेंट है। ये त्वचा के PH लेवल को रिस्टोर करने और संतुलित करने में मदद करता है। ये आपकी त्वचा को फ्रेश और ग्लोंइग रखता है।

गुलाब जल के फायदे

गुलाब जल में एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज होती हैं। ये त्वचा में जलन, मुहांसे, एक्जिमा को कम करने में मदद करती हैं। ये रूखी त्वचा को हाइड्रेट करने का काम करता है। इसके इस्तेमाल से आपकी स्किन हाइड्रेटेड, फ्रेश और मुलायम रहती है। गुलाब जल में एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा अधिक होती है। ये आपके चेहरे की झुर्रिया कम करने में मदद करता है। कोई भी फेस पैक बनाते समय आप 2 चम्मच गुलाब जल का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये आपके चेहरे को हाइड्रेटेड करता है। इससे आपका चेहरा ग्लोंइग भी रहता है।

बरसात के दौरान चावल में कीड़ों से पाएं निजात

बारिश के मौसम में नमी के कारण कीड़े चावल में फंस जाते हैं। उसके चलते चावल खाने का मन नहीं करता। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आपको आसान उपाय बताए जा रहे हैं। अनाज और दाल को हवाबंद कंटेनर में ठंडी, सूखी जगहों पर स्टोर करने की सलाह दी जाती है। लेकिन, तमाम कवायद और सावधानी बरतने के बावजूद उसमें रेंगते हुए कीड़े दिखाई दे सकते हैं। बारिश के मौसम में नमी के कारण कीड़े चावल में फंस जाते हैं। उसके चलते चावल खाने का मन नहीं करता। यहां तक कि अगर आप उसे साफ करना चाहें, तो समय भी बहुत ज्यादा बेकार चला जाता है। इस समस्या से निजात के लिए आप सुझाई गई टिप्स को अपना सकते हैं।

माचिस का बॉक्स रखें

कीड़ों से चावल को बचाने के लिए माचिस से भरा बॉक्स चावल के बॉक्स के पास रखें। उसमें सल्फर होता है जो चावल को कीड़ों से रक्षा करने में मदद करता है। न सिर्फ चावल के लिए बल्कि आप इस तरीके को दूसरे प्रकार के अनाज को कीड़ों से बचाने के लिए भी अपना सकते हैं।

लौंग रखें

कीड़ों से चावल की रक्षा के लिए आप लौंग की मदद ले सकते हैं। इसके लिए चावल के बॉक्स में 10-15 लौंग को रखें। उससे दो फायदे होंगे, अगर कीड़े चावल में पाए गए, तो ये उसे दूर करेगा और अगर चावल में कोई कीड़ा नहीं हुआ, तो लौंग कीड़ों से चावल की रक्षा करने में भी मदद करेगा।

फ्रिज में स्टोर करें

अगर आप बहुत ज्यादा चावल नहीं लाते हैं, लेकिन घर में कम इस्तेमाल की वजह से फिर भी बच जाता है, तो आप उसे प्रिज में स्टोर कर सकते हैं। इसके लिए चावल को हवाबंद कंटेनर में भरें और उसे फ्रिज में रख दें। ये चावल को कीड़ों से दूर रखेगा।

तेजपत्ता या नीम की पत्तियों को रखें

कीड़ों से चावल की रक्षा के लिए 10-15 तेजपत्ते को चावल के बॉक्स में डालें। अगर ये घर में मौजूद नहीं है, तो आप उसके लिए नीम की पत्तियों का भी सहारा ले सकते हैं। ये दोनों चावल में कीड़ों को घुसने से रोकते हैं।

हार्ट को स्वस्थ रखेंगे ये ड्रिंक

गलत लाइफस्टाइल और उल्टा सीधा खानपान के चलते आज के समय में कम उम्र में ही लोग हार्ट संबंधी बीमारियों से जूझ रहे हैं। हार्ट की बीमारी से बचने के लिए आपको अपने दिल का खास ख्याल रखना बेहद जरूरी है। डाइट एक्सपर्ट डॉक्टर रंजना सिंह की मानें तो जो लोग मोटापे से ग्रस्ति हैं, उन्हें सबसे ज्यादा दिल की बीमारी होने का खतरा रहता है। दिल को चुस्त और दुरुस्त रखने के लिए कार्डियोवस्कुलर एक्सरसाइज के साथ ही हेल्दी डाइट लेना भी बेहद ही जरूरी है।

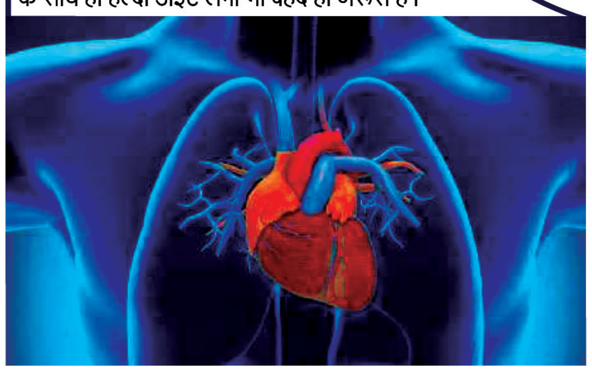

ब्रोकली और पालक का जूस का सेवन

ब्रोकली और पालक का जूस दिल को दुरुस्त रखने में भी काफी कारगर है। इन दोनों में कैरोटेनोइड्स नामक तत्व पाया जाता है, यह तत्व बैड कोलेस्ट्रॉल को कम कर, दिल को हेल्दी बनाए रखने में मदद करता है। साथ ही यह जूस शरीर को डिटॉक्सीफाई भी करता है।

खीरा और पुदीने का जूस का सेवन

खीरा और पदुने के जूस का सेवन भी दिल को दुरुस्त रखने में मदद करता है, क्योंकि खीरा पाचन तंत्र को मजबूत करता है और पेट को ठंडा भी रखता है। साथ ही गर्मियों के मौसम में खीरा पानी की कमी को भी दूर करता है। इसमें मौजूद फाइबर कब्ज की समस्या से राहत दिलाते हैं। वहीं पुदीने में एंटी-ऑक्सीडेंट, विटामिन ए और विटामिन के की अच्छी-खासी मात्रा होती है, इन दोनों चीजों को मिलाकर ड्रिंक का सेवन करना दिल के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

गाजर और चुकंदर का जूस का सेवन

डाइट एक्सपर्ट डॉक्टर रंजना सिंह के अनुसार, चुकंदर में नाइट्रेट्स मौजूद होता है, जो निट्रिक ऑक्साइड में बदल जाता है। वहीं गाजर में भी नाइट्रेट की अच्छी-खासी मात्रा पाई जाती है। इन दोनों में मौजूद पोषक तत्व शरीर में ब्लड फ्लो को बेहतर करते हैं। गाजर में मौजूद बीटा-कैरोटीन ब्लड वेसेल्स को साफ करने में मदद करता है। ऐसे में गाजर और चुकंदर का जूस दिल के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

आंखों को कमजोर होने से बचाने के लिए खाएं ये चीजें

हरी सब्जियां

अपनी डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल करें। हरी पत्तेदार सब्जियों में आयरन की भरपूर मात्रा पायी जाती है, जो आंखों के लिए बहुत ही जरूरी है।

गाजर

गाजर का जूस पीना सेहत के लिए तो अच्छा है ही साथ ही आंखों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। रोजाना एक गिलास गाजर का जूस पीने से आंखों पर चढ़ा चश्मा तक उतर सकता है।

बादाम का दूध

सप्ताह में कम से कम तीन बार बादाम का दूध पिएं। इसमें विटामिन ई होता है जो कि आंखों में किसी भी बीमारी से लड़ने के लिए फायदेमंद है।

अंडे

अंडे में अमीनो एसिड, प्रोटीन, सल्फर, लैक्टिन, ल्युटिन, सिस्टीन और विटामिन बी2 होता है। विटामिन बी सेल के कार्य करने में महत्वपूण होता है।

मछली

मछली में हाई प्रोटीन होता है। मछली आंखों के अलावा बालों के लिए भी बहुत अच्छी होती है।

सोयाबीन

आप अगर नॉन वेज नहीं खाते, तो आप सोयाबीन खा सकते हैं, यह आपकी आंखों के लिए बहुत फायदेंमंद है।

घर के गार्डन में लगाएं स्नेक प्लांट

हवा शुद्ध करने के साथ कैंसर जैसी बीमारी से भी बचाएगा

अगर आप घर में इंडोर प्लांट लगाना चाहते हैं तो स्नेक प्लांट बेहतर विकल्प है। स्नेक प्लांट देखने में काफी खूबसूरत होता है, साथ ही इसमें कई ऐसे गुण होते हैं, जो हमारी सेहत को कई खतरनाक बीमारियों से बचा सकते हैं। स्नेक प्लांट खासतौर पर एशिया और अफ्रीका का पौधा है। इसे संसेविया ट्रिफ़सिआटा के नाम से भी जाना जाता है। स्नेक प्लांट के पत्ते ऊपर की तरफ बढ़ते हैं और सांप के फन की तरह नजर आते हैं, इसलिए इसे स्नेक प्लांट कहा जाता है। देखने में ये अर्टिफिशियल प्लांट की तरह नज़र आता है। खास बात ये है कि स्नेक प्लांट की देखरेख के लिए बहुत ज्यादा मेहनत की जरूरत नहीं होती। माना जाता है कि यदि आप स्नेक प्लांट को अपने घर में लगाते हैं तो कोई भी नकारात्मक शक्ति आपके घर में नहीं आती है। जानिए स्नेक प्लांट को घर पर लगाने के और क्या फायदे हैं।

नेचुरल एयर प्योरीफायर

तमाम स्टडीज बताती हैं कि स्नेक प्लांट हवा को शुद्ध करता है और हवा में मौजूद नमी को कम करता है। इसे लगाने से एयरबोन एलर्जी का रिस्क कम होता है। ये पौधा जिलीन, टोल्यून और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसी हानिकारक तत्वों को तेजी से हटाता है। साथ ही ये रात में भी कार्बन डाइऑक्साइड को ऑक्सीजन में बदलने की क्षमता रखता है।

एंटी-कैंसर पौधा

स्नेक प्लांट कैंसर का रिस्क भी घटाता है। ये पौधा हवा में मौजूद विषैले पदार्थ और कैंसर का कारण का बनने वाले एजेंट्स को सोख लेता है। ऐसे में यदि आप अपने घर में स्नेक प्लांट रखते हैं तो ये आपको कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से बचाव में मदद करता है।

बहुत देखरेख की जरूरत नहीं

इस पौधे को लगाने में सबसे अच्छी बात ये है कि इसे बहुत देखरेख की जरूरत नहीं होती। इसे धूप और छाया कहीं भी रखा जा सकता है। इस पौधे को बहुत पानी की जरूरत नहीं होती है। हालांकि जरूरत से ज्यादा पानी डालने से ये खराब जरूर हो सकता है। दो से तीन हफ्तों में एक बार पानी देना पर्याप्त होता है। सर्दियों में इसे और भी कम पानी की जरूरत होती है। ऐसे में आप महीने में एक बार पानी दे सकते हैं। धूल या मिट्टी से बचाए रखने के लिए आपको इसकी पत्तियों को साफ करते रहना चाहिए।

एंटी एजिंग होम रेमेडीज

- विटामिन सी स्किन के कोलाजन के निर्माण में मदद करता है। विटामिन सी युक्त फल सब्ज़ियों का सेवन करें औरस्किन पर भी अप्लाई करें।
- नींबू में विटामिन सी होता है, नींबू काटकर सीधे स्किन पर अप्लाई करें या गुलबजल में मिलाकर अप्लाई करें।
- एलोवीरा पल्प लगायें, यह एंटीबैक्टीरीयल है और इसमें हीलिंग प्रॉपर्टीज़ हैं। शोध बताते हैं कि एलोवीरा स्किन कोहाइड्रेट करता है, कोलाजन बढ़ाकर लचीलापन बढ़ाता है और रिंकल्स को कम करता है।
- ऑलिव ऑयल से मसाज करें क्योंकि रीसर्च बताते हैं कि यह स्किन को झुर्रियों से बचाता है।
- दही के सेवन से स्किन स्वस्थ रहती है और यह स्किन को रिंकल्स से भी बचाता है।
- अंडे का सफ़ेद भाग स्किन को हेल्दी ग्लो देता है और त्वचा में कसावट बनाए रखता है। इसका मास्क स्किन परअप्लाई करें।
- योग और एक्सरसाइज़ स्किन के लचीलेपन को बढ़ाते हैं। नियमित रूप से फ़ेस योग व एक्सरसाइज़ करें।
- केला कोलाजन को बढ़ाता है और एजिंग प्रॉसेस को धीमा करता है। केले को आप खायें भी और उसे मास्क के तौरपर भी अप्लाई करें। केले को मैश करके शहद मिलायें और इस मास्क को अप्लाई करें। सूखने पर गुनगुने पानी से धोलें।
- ऐवोकैडो को अपने डायट में शामिल करें। इसमें मौजूद विटामिन ए, डी और ई स्किन की नमी को बरक़रार रखते हैंऔर एजिंग प्रॉसेस को रोकते हैं।
- ककड़ी यानी कुकुंबर में शहद मिलाकर मास्क तैयार करके अप्लाई करें। ककड़ी में मैग्नीसीयम, पोटैशियम, विटामिन ए और ई होते हैं। इसमें हीलिंग प्रॉपर्टीज़ होती हैं। यह रक्त संचार को बढ़ाकर झुर्रियाँ कम करने में मददगार है।
- शहद में नींबू के रस की कुछ बूँदें मिलाकर मास्क बनायें और २० मिनट के लिए लगायें। यह स्किन में कसाव लाता है।
- स्ट्रॉबेरीज़ विटामिन सी और एंटीऑक्सिडेंट का बेहतरीन स्रोत है। ३-४ स्ट्रॉबेरीज़ को मैश करके फ़ेस पर पेस्ट कोअप्लाई करें। १५-२० मिनट बाद धो लें।
- पपीता एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होता है और इसमें मौजूद एंज़ायम पैपेन त्वचा से डेड सेल्स को हटाता है। पपीता केकुछ टुकड़ों को मैश करके पेस्ट तैयार करें और चेहरे पर अप्लाई करें। सूखने पर धो लें।
- पाइनऐपल प्रीमैच्योर एजिंग को रोकने में कारगर है। इसका पेस्ट चेहरे पर अप्लाई करें और १५-२० मिनट बाद धोलें।
- गुलबजल में नींबू के रस की कुछ बूँदें और ग्लिसरिन मिला लें और इसको सोने से पहले चेहरे पर अप्लाई करें। सुबहधो लें।

आज की रेसिपी

गाजर की खीर

अगर आप बच्चों को नास्ते में कुछ हेल्दी देना चाहती हैं, जिससे उनका टेस्ट भी बदल जाए और पोषण भी मिले तो गाजर की खीर ट्राई कर सकती हैं।

हलवे से लेकर सलाद तक सबकुछ सेहत के लिए बहुत अधिक फायदेमंद होता है। गाजर के हलवे की तरह ही गाजर की खीर भी बहुत स्वादिष्ट होती है।

सामग्री :

- आधा किलो गाजर (कद्दूकस की हुई)
- एक चम्मच चीनी
- 10 ग्राम किशमिश
- कतरे हुए कप काजू
- कतरे हुए 10 बादाम
- 2 हरी इलायची (पीसी हुई)

विधि :

आधा किलो गाजर को अच्छी तरह धुलें और छील लें। अब इन्हें कद्दूकस करें। गैस पर भारी बेस वाली कड़ाही रखें और उसमें एक चम्मच देसी घी डालें। घी मेल्ट होने के बाद उसमें गाजर डालें और इसके ऊपर से चीनी डालकर इसे ढक दें। इस दौरान गैस धीमी रखें।

अब 1 से 2 मिनट बाद प्लेट हटाकर गाजर और चीनी को अच्छी तरह मिक्स करें और 2 से 5 मिनट के लिए पकाएं। इस बीच इसे स्पून की मदद से चलाते रहें। अब इसमें दूध मिलाएं और दूध डालने के बाद इसे करीब 20 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। बीच-बीच में 2 से 3 मिनट बाद इसे चलाते रहें। अब इसमें पिसी हुई इलायची और किशमिश मिलाकर 2 मिनट के लिए पकाएं। इसके बाद इस पर काजू और बादाम या पिस्ता डालकर गर्मागर्म सर्व करें।

मिनटों में तैयार की जा सकती है लो-कैलोरी रेसिपी

नाचोस और चिप्स से लेकर फ्राइज़ और कटलेट तक, डिप अकेले ही स्नैक के स्वाद को बढ़ाते हैं। हम अपने खाने को कई तरह के डिप जैसे केचप, मेयोनेज़ आदि के साथ परोस सकते हैं। लेकिन इनमें से अधिकतर न केवल अनहेल्दी विकल्प हैं, बल्कि कैलोरी से भी भरे हुए हैं। इन डिप के अलावा आप कुछ हेल्दी विकल्प चुन सकते हैं। ये स्नैक्स के साथ बहुत ही अच्छे लगते हैं। ये बेहद स्वादिष्ट होते हैं। आइए जानें आप किन हेल्दी डिप के साथ स्नैक का आनंद ले सकते हैं।

हंग कर्ड डिप – इसे बनाने के लिए आपको 1 कप हंग कर्ड, चम्मच अजवाइन, 1/2 चम्मच लाल मिर्च, 1 चम्मच हरा धनिया, 4 लहसुन की कली, 4 पुदीने के पत्ते और नमक की जरूरत होगी। सबसे पहले एक बाउल में हंग कर्ड डालें। बारीक कटा हुआ लहसुन, हरा धनिया, पुदीना, अजवाइन, लाल मिर्च और नमक डालें। सभी चीजों को चमचे से अच्छी तरह मिला लें और आपकी डिप तैयार है। इसे चिप्स या फ्राई के साथ सर्व करें।

हम्मस डिप – इसे बनाने के लिए आपको कप उबले हुए चने, 4 चम्मच दही, 2 चम्मच तिल, 2 चम्मच जैतून का तेल, 4 लहसुन की कली, 1 बड़ा चम्मच कटा हरा धनिया और नमक स्वादानुसार की जरूरत होगी। इसे बनाने के लिए सबसे पहले तिल को पीसने के लिए मूसल का इस्तेमाल करें। एक बार जब ये पेस्ट बन जाए तो इसे बाहर निकालें और एक ब्लेंडर में डालें। इसी ब्लेंडर में उबले हुए छोले, दही, जैतून का तेल, लहसुन की कलियां, धनिया और नमक डालें। एक स्मूद मिश्रण के लिए ब्लेंड करें। हम्मस को बाउल में निकाल लीजिए, थोड़ी सी लाल मिर्च पाउडर से सजाकर सर्व कीजिए। हम्मस को ब्रेड, बेक्ड चिप्स और नाचोस के साथ सबसे परोसा जाता है।

टमाटर साल्सा डिप – इस डिप को बनाने के लिए आपको 4 टमाटर, 1 प्याज, 2 लहसुन की कलियां, 2 चम्मच हरा धनिया, 1 चम्मच नींबू का रस, 1/2 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1/2 चम्मच जीरा पाउडर, 1/2 चम्मच काली मिर्च पाउडर, चुटकी भर हींग और नमक स्वादानुसार की जरूरत होगी। सबसे पहले टमाटर, प्याज और लहसुन की कलियों को काट लें। इन्हें एक बाउल में डालें। अब इसमें धनिया पत्ती, नींबू का रस, जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, काली मिर्च पाउडर, हींग और नमक डालें। पेस्ट बनाने के लिए सब कुछ एक साथ धीरे से मैश करें।

संक्षिप्त समाचार

रेस्ट हाऊस के पास बैठकर पी रहे थे शराब, पहुंच गई पुलिस, थाना प्रभारी ने जमकर लगाई फटकार

पाटन (समय दर्शन)। सार्वजनिक जगह पर खुलेआम शराब पीने वालों कि धर पकड़ के लिए आज पाटन की पुलिस नगर में निकली। रेस्ट हाउस के बाजू में हेलीपैड जाने वाले मार्ग के किनारे ही दो युवक बैठकर खुलेआम शराब पी रहे थे। पुलिस की टीम पहुंची तो यह युवक भागने लगे थे । लेकिन पुलिस ने इन्हें चारों ओर से घेर लिया था । थाना प्रभारी अनिल साहू ने दोनों युवकों को जमकर फ्टकार लगाई साथ ही उन्हें समझाइए। इसी तरह से पाटन पुलिस आज नगर के सभी आउटर क्षेत्र में गस्ती कर रही है। बता दे की खुले में सार्वजनिक स्थान पर या शहर के बाहरी क्षेत्र में शराब पीने वालों की संख्या बढ़ गई है । इसे देखते हुए आज पाटन पुलिस ने अभियान चलाए।

मीडिया का सामना नहीं करना चाहता रेल प्रशासन

बिलासपुर (समय दर्शन)। पृथक से रेलवे बजट व्यवस्था समाप्त होने के बाद अब एसईसीआर जोन बिलासपुर में बजट पर जोन को क्या मिला बताने के स्थान पर रेल मंत्री को ऑनलाइन पत्रकारों के सामने दिखाना प्रारंभ कर दिया। पत्रकार जोन को मिलने वाली बजट, यात्री सुविधा, ट्रेनों के निरस्त होने की परेशानियां, परिचालन की समस्याओं आदि पर प्रश्न नहीं पूछ सकता। रेलवे अधिकारी और पत्रकार जब एक साथ विवरण को सुनेंगे तब प्रश्नों का उत्तर तत्काल नहीं दिया जा सकता। जिस तरह देश का नेतृत्व पत्रकारों के प्रश्नों से बचत नजर आ रहा है। उसी का अनुसरण मंत्रियों और उनके बाद जोन प्रमुख ने भी किया। देश का सबसे कमाऊ पुत रेलवे जोन पत्रकारों के प्रश्नों से भगत नजर आता है।

पानी निकासी व्यवस्था बंद कर दिया, किसानों की फसल पानी में डूबी, पीड़ित किसानों ने एसडीएम के नाम सौपा ज्ञापन, पाटन ब्लॉक का मामला

पाटन (समय दर्शन)। नगर पालिका परिषद अमलेश्वर के खुड़मुड़ा वार्ड के किसान इन दोनों फ्सल को लेकर काफी परेशान हैं। इन किसानों का कहना है कि खेतों में जो फ्सल है वह पानी में डूब चुका है जल्द ही पानी की निकासी व्यवस्था नहीं होती तो उनका फ्सल सड़ जाएंगे। बता दें कि किसानों का कहना है कि पानी निकासी की व्यवस्था को कुछ किसान है जो बंद कर दिया है। जिसके कारण बरसात का पानी निकासी नहीं हो रहा है और खेत लबालब भरे हुए हैं । इन समस्याओं की जानकारी देते हुए आज खुडमुड़ा के एक दर्जन से अधिक किसानों ने नगर पालिका परिषद अमलेश्वर के प्रशासक एसडीएम दीपक कुमार निकुंज के नाम नगर पालिका परिषद के सीएमओ सतीश यादव को ज्ञापन सौपा। किसानों ने राहत दिलाने की मांग की है। किसानों के द्वारा सौंप गए ज्ञापन में बताया गया है कि कुछ किसान है जो पानी निकासी की व्यवस्था को बंद कर दिया गया है। इस कारण बरसात का पानी की निकासी नहीं हो रहा है और उनके खेतों में पानी लबालब भरे हुए हैं । साथ ही खेत में स्थित फ्सल डूब गए हैं । जल्दी पानी निकासी की व्यवस्था नहीं हुई तो उनके फ्सल पूरी तरह के खराब हो जाएंगे । पीड़ित किसानों में मुख्य रूप से नारायण, कृष्ण लाल, गिरवर, अंजोर दास, नेतराम यादव, कुबेर, घनश्याम साहू ,प्यारेलाल, परसराम, राजकुमार ,परदेसी सोनकर पप्पू राम एमशामिल है ।

जिला पंचायत सदस्य मोनू पहुंचे मौके पर

पीड़ित किसानों ने अपनी समस्या की जानकारी क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व जिला पंचायत सभापति मोरध्वज मोनू साहू को भी दिए जिस पर उन्होंने किसानों के साथ जाकर मौका में भी देखा कि किस तरह से किसान परेशान हो रहे हैं । इस दौरान नगर पालिका परिषद अम्लेश्वर के सीएमओ सतीश यादव, उपयंत्री प्रवीण साहू, धर्मेंद्र सोनकर, कुमार साहू सहित अन्य किसान भी मौजूद रहे।

जेलों में किशोरों की पहचान करने और कानूनी सहायता प्रदान करने अखिल भारतीय अभियान 2024 के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशन पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के तत्वाधान में एवं जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग डॉ0 प्रज्ञा पचौरी के मार्गदर्शन में नालसा की गाईड लाईन्स अनुसार जेलों में किशोरों की पहचान करने और कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए अखिल भारतीय अभियान 2024 के संबंध में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आज दिनांक 24 जुलाई 2024 को दोपहर 2.00 बजे जिला न्यायालय, दुर्ग के सभागार स्थल पर आयोजित की गयी।

उक्त आयोजित कार्यशाला में प्रमुख रूप में श्री जनार्दन खरे, प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड, दुर्ग, श्री भगवानदास पनिका, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी/जेएमएफ्सी दुर्ग, श्री पुनितराम गुरूपंच पंचम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी / जेएमएफ्सी दुर्ग, तथा श्री संजय पुंडीर डी.एस.पी. दुर्ग, श्री सुदर्शन महलवार, चीफलीगल एड डिफेंस कौंसिल सिस्टम दुर्ग के अतिरिक्त बाल कल्याण अधिकारी, जेल लीगल एड क्लीनिक के अधिवक्ता, पुलिस कर्मचारीगण एवं पैरालीगल वालेन्टियर सम्मिलित हुए।

जेलों में किशोरों की पहचान करने और कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए अखिल भारतीय अभियान 2024 के संबंध आयोजित इस एक दिवसीय कार्यशाला में श्री जनार्दन खरे, प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड, दुर्ग द्वारा कार्यशाला में उपस्थितजनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि बच्चे अपराधी नहीं होते बल्कि वे विधि के साथ संघर्ष करने वाले बालक/किशोर होते हैं। यदि कोई विधि से संघर्षरत बालक/किशोर किसी मामले के संज्ञान में आता है तो सर्वप्रथम यह देखना चाहिए कि वह 18 वर्ष से कम का है कि नहीं, इस हेतु सर्वप्रथम संबंधित बालक/किशोर के दसवीं की अंकसूची अथवा अन्य स्कूल के सर्टिफिक्रेट यदि ये न हो तो दाखिला खारिज नंबर तथा यह भी न हो तो कोटवार/नगर निगम में जन्म पंजीयन और अंत में यदि उक्त प्रमाण न मिले तो बोन टेस्ट कराना चाहिए। चूंकि उक्त कार्य में समय लगना संभावित हो तो उक्त संबंधित बालक/किशोर का रिमाण्ड लिया जा सकता है एवं विशेष किशोर पुलिस इकाई के उप पुलिस अधीक्षक द्वारा एक आवेदन अधीक्षक बाल सम्प्रेक्षण गृह को लिखकर संबंधित विधि से संघर्षरत बालक/किशोर को ष्बाल सम्प्रेक्षण गृह में रख सकते हैं व्यक्त करते हुए किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 की विस्तृत जानकारी देते हुए बालकों/विधि के साथ संघर्षरत बालक द्वारा कारित किये जाने वाले अपराध के संबंध में उक्त अधिनियम के तहत पुलिस की भूमिका के बारे में बताते हुए कार्यशाला में उपस्थित पुलिस कर्मचारियों के द्वारा पूछे गये विभिन्न प्रश्नों का विधिनुरूप समुचित उत्तर देते हुए उनकी शंकाओं का समाधान किया गया। रिसार्स पर्सन श्री सुदर्शन महलवार चीफ लीगल एड डिफेंस कौंसिल सिस्टम दुर्ग ने अपने उद्बोधन में कहा कि जेल में यदि कोई बंदी चाहे वह सजायापता हो या विचाराधीन हो किसी भी परिस्थिति में यदि वह उम्र में 18 साल से कम का दिखता हो या वह स्वयं आकर 18 साल से कम का होने दावा करे तो उक्त संबंध में पुलिस की ड्यूटी होती है कि उक्त बंदी को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करें। किसी बालक/किशोर को जेल भेजने से अनुच्छेद 21 के तहत उसके मौलिक अधिकार का हनन होता है और बालक/किशोर जेल में आदतन अपराधी के संपर्क में आने से उसके बिगड़ने की संभावना भी बढ़ जाती है इसके अतिरिक्त इनके द्वारा किशोर के संबंध में गंभीर अपराधों की परिभाषा एवं तत्संबंध में पुलिस द्वारा थाने में की जाने वाली कार्यवाही को बताते हुए किशोर न्याय अधिनियम में पुलिस जॉच की प्रक्रिया एवं प्रावधान के बारे में बताया गया।

भिलाई विधायक समझे बिलासपुर में चलता है फ्रेंडली मैच

बिलासपुर (समय दर्शन)। भिलाई के विधायक देवेंद्र यादव ने बिलासपुर की कानून व्यवस्था में प्रश्न पूछ कर एक दूसरे तरह की बहस को जन्म दे दिया। विधायक का प्रश्न और गृह मंत्री का जवाब खबरों में पढ़ा जा सकता है जो नहीं छप रहा उसे हम बता रहे हैं।

बिलासपुर जिले में कुल 6 विधानसभा हैं। चार पर भाजपा दो पर कांग्रेस। जिले में दोनों ही राजनीतिक दल के जनप्रतिनिधियों की पुरानी परपार्टी मिलजुल कर फ्रेंडली फुटबॉल मैच खेलो और जनता को बेवकूफ

बनाओ। देवेंद्र यादव शहीद किसी भी विधायक को यह हक है कि वह राज्य के किसी भी कोने का प्रश्न पूछ सकता है। देवेंद्र यादव ने बिलासपुर लोकसभा चुनाव लड़ा और अब उन्हें बिलासपुर की चिंता होती है। क्या यही चिंता बिलासपुर जिले से निर्वाचित दो कांग्रेसी विधायकों को नहीं होती या उन्हें बिलासपुर के साथ मित्रवत राजनीति की पुरानी आदत है।

अभी कांग्रेस विपक्ष में है इसके पूर्व कांग्रेस सत्ता में थी उसे समय अपनी ही पार्टी की सत्ता के बावजूद बिलासपुर विधायक शैलेश पांडे जिले की समस्याओं पर खूब पूछते थे। तभी तो कांग्रेस भाजपा ने मिलकर उन्हें निपटा दिया। क्या ऐसा ही हर्ष यादव जी का होगा..... ।

शहर में वायु गुणवत्ता सुधार हेतु बैठक हुई

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में दुर्ग जिले के अंदर वायु गुणवत्ता बेहतर हो इसके संबंध में भोपाल से आये पर्यावरण अधिकारी डॉ. वाय के शक्सेना द्वारा बैठक ली गई। इसमें आयुक्त नगर निगम भिलाई, दुर्ग, रिसाली एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी जामुल, उतई, कुम्हारी, आई.आई.टी विभाग के प्रोफेसर, परिवहन एवं पर्यावरण विभाग के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। नगरीय निकाय क्षेत्रो में वायु की गुणवत्ता शासन के मानक अनुसार कैसे सुधारी जाये, इस पर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होने बताया कि वायु गुणवत्ता खराब होने से स्वास्थ्य के उपर बहुत विपरित प्रभाव पड़ रहा है। विभिन्न प्रकार की बिमारियॉ वायु प्रदुषण के कारण हो रही है। हम केन्द्र सरकार द्वारा दिये दिशानिर्देशो के अनुसार कार्य करना होगा। प्रमुख रूप से इंड्रस्टियों से होने वाले प्रदुषण, गाड़ियो से निकलने वाले घुएॅ, सड़क का डस्ट, सालिड वेस्ट, ध्वनि प्रदुषण आदि से वायु गुणवत्ता स्वास्थ्य मानक से कम हो रही है। जिसे रोकने के लिए हमे

कड़ाई से पालन करना होगा।

नगर निगम भिलाई द्वारा किये जा रहे वायु गुणवत्ता सुधार के लिए किये जा रहे उपायो का निरीक्षण करने मौके पर गये। निगम के वाहन शाखा जाकर रोड स्वीपिंग मशीन का निरीक्षण किये, उसके कमियों को बताये। डॉ. वाय के शक्सेना द्वारा स्वयं नीम, गुलमोहर, करंज वृक्ष लगाये गये। वायु गुणवत्ता मापक यंत्र का निरीक्षण करने छेत्रीय पर्यावरण कार्यालय 32 बंगले में किये। वहां पर गहनता से निरीक्षण किये संबंधित एजेंसी को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत बनाये जा रहे रोड, सड़क पर किये गये प्लांटेशन आदि का निरीक्षण किये।

डॉ. शक्सेना द्वारा बताया गया कि वायु प्रदुषण को रोकने के लिए अधिकतम पेड़ पौधे लगाया जाए, रोड के किनारे के धुल के कंन को रोकने के लिए पेवर ब्लाक लगाया जाए। फैक्ट्रीयो से होने वाले प्रदुषण को रोकने के लिए मापक यंत्र लगाया जाए। प्रदुषण फैलाने वाले इण्ड्रटी पर रोक लगाई जाए। सभी निकाय को वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए नियमो का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। पाईप पद्धति से लगाये गये वृक्षो का उन्होने सराहना की इससे पेड़ भी बड़े हो जायेगे, जानवर भी नहीं खाएगें।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और छात्रावास अधीक्षकों का समन्वय बैठक संपन्न

अधीक्षकों को मौसमी बीमारी की रोकथाम के सुझाव दिये गये

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले में आदिम जाति तथा अनुसूचित जनजाति विकास विभाग द्वारा संचालित छात्रावास अधीक्षकों और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के टीम के साथ समन्वय बैठक 25 जुलाई 2024 को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्री हेमन्त कुमार सिन्हा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. सी.बी.एस. बंजारे, टी.बी. डिनियोलॉजिस्ट श्रीमती रितिका मसीह, श्री वेग कुमार कापरे, श्री समरेश पटेरिया, श्री कमल

तिवारी व्ही.डी.जी.एस. कन्सल्टेट और समस्त छात्रावास अधीक्षक सम्मिलित हुए। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने छात्रावास अधीक्षकों को वर्षा ऋतु जैसे मौसमी विभिन्न प्रकार के बीमारी एवं महामारी से बचाव के लिए फाईट द बाईट के अंतर्गत मच्छर उन्मूलन, डेंगू, मलेरिया, चिकन गुनिया, एन.व्ही.डी.सी.पी. डायरिया, उल्टी दस्त तथा संक्रामक बीमारियों से बचाव तथा तत्काल प्राथमिक उपचार के संबंध में जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त खून की कमी, सिकलीन, क्रीमी, आयोडीन की कमी तथा अन्य बीमारियों के संबंध में एवं उपचार हेतु बताया गया। बैठक में प्रत्येक बुधवार को शासकीय संस्था में तथा रविवार को सामुदायिक स्थल, घर में कुलर की पानी, टायर की पानी, फ्रीज की पानी की साफ-सफाई करने की जानकारी दी गई। बैठक में अधीक्षकों को विद्यार्थियों के मौसम के अनुरूप डाईट गरम, ताजा भोजन, स्वच्छ पेयजल का भी व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये।

पाटन नगर में 27 जुलाई से जन समस्या निवारण पखवाड़ा का आयोजन, वार्डो में लगेगा शिविर

पाटन (समय दर्शन)। नगर पंचायत पाटन में आगामी 27 जुलाई से जन समस्या निवारण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन आमजन को राहत देने के लिए लगाई जा रही है। जिसमें नगर पंचायत के अधिकारी से लेकर कर्मचारी निर्धारित तिथि में मौजूद रहेंगे । जहां लोगों की समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। यह शिविर निर्धारित तिथि में सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक आयोजित होगी। नगर पंचायत पाटन के सीएमओ सौरभ बाजपेई ने बताया कि 27 जुलाई को शहीद वीर नारायण सिंह भवन वार्ड क्रमांक 1 में शिविर लगेगा जिसमें वार्ड क्रमांक 01 , 02, 03 एवं 04 के नागरिक शामिल होंगे । 29 जुलाई को कला मंच भवन अखरा में शिविर लगेगा जिसमें वार्ड क्रमांक 5 एवं 6 के जनता शामिल हो सकते हैं। इसी तरह से 2 अगस्त को विप्र भवन पाटन में शिविर लगेगी जिसमें वार्ड क्रमांक 7 , 8 और 15 के नागरिक अपनी समस्याओं को लेकर वहां पर निराकरण के लिए पहुंच सकते हैं । 5 अगस्त को सुभाष क्लब में शिविर आयोजित होगा जिसमें वार्ड क्रमांक 9 ,10, 11,ओर 12 के जनता शामिल होंगे । इसी तरह से 8 अगस्त को सामुदायिक भवन खोरपा में आयोजित शिविर में वार्ड क्रमांक 13 एवं 14 के जनमानस अपनी समस्याओं का समाधान के लिए पहुंच सकते हैं। इस जन समस्या निवारण पखवाड़ा का सफल संचालन के लिए नगर पंचायत के उपयंत्री थानेश्वर वर्मा एवं जयंत शर्मा को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

हरिराम पटेल हत्या काण्ड का 24 घण्टे में पर्दाफाश

सारंगढ़ पुलिस ने किया 06 आरोपियों को गिरफ्तार, आरोपियों ने मृतक द्वारा अत्यधिक ब्याज दर पर रूपये उधार देने से आक्रोशित होकर की हत्या

सारँगढ़ (समय दर्शन)- तड़के सुबह लोगो ने सड़क किनारे खून से लतपत बॉडी देख दंग रह गए क्षेत्र में सनसनी की तरह फैल गया की सिंगारपुर गांव के सड़क किनारे एक लाश पड़ा है आखिर किसका है कौन है देखने लोगो को भीड़ उमड़ पड़ी थी आपस के लोगो ने पुलिस को सूचना दी और जैसे ही पुलिस के सूचना मिली घटना स्थल पहुंचकर सारे एंगल से जांच करने में जुट गई और महज 24 घंटे के अंदर पुलिस प्रशासन को हत्या की जड़ तक पहुंच गए ये अपको बता दे दिनांक 23.07.2024 की रात्रि में पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि थाना बरमकेला के ग्राम सिंगारपुर गांव के पास एक व्यक्ति की लाश पड़ी हुई है जिस पर थाना बरमकेला एवं सरिया की पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर रवाना हुई तथा घटनास्थल पर पहुँच कर जांच प्रारंभ की। जांच दौरान यह ज्ञात हुआ कि मृतक का नाम हरिराम पटेल है जो कि सरिया थाना क्षेत्र के ग्राम कमरीद का निवासी है। शव के निरीक्षण में प्रारंभिक तौर पर किसी धारदार हथियार से हरिराम पटेल की हत्या किया जाना स्पष्ट होने पर थाना बरमकेला में हत्या का अपराध दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक पुष्कर शर्मा द्वारा त्वरित कार्यवाही के निर्देश पर थाना बरमकेला, सरिया, कोतवाली, डोगरीपाली एव साव्बरसेल प्रभारी के नेतृत्व में पृथक पृथक टीम बनाकर अन्वेषण कार्य किया गया। अन्वेषण के दौरान सीडीआर विश्लेषण एवं अन्य स्त्रोतों से संदिन्धों के बारे में जानकारी प्राप्त होने पर 06 संदिग्ध

व्यक्तियों की धरपकड़ कर पूछताछ प्रारंभ की गई जिसमें उनके द्वारा हरिराम पटेल की हत्या करना स्वीकार किया गया। आरोपियों द्वारा पूछताछ में बताया गया की मृतक हरिराम पटेल ब्याज में उधारी देने का काम करता था।

आरोपी हेनानंद उर्फ गुडडू सारथी ने बताया कि उसने हरिराम पटेल से दिनांक 12.07.2024 को 80000 रूपये ब्याज पर लिया था, जिस पर हरिराम पटेल ने प्रति 04 दिवस में 20त्न ब्याज दर के हिसाब से 16000 रूपये ब्याज लेना तय किया था। आरोपी द्वारा मृतक को 02 ब्याज किश्त कुल 32000 रूपये दिया गया था। तथा दिनांक 24.07.2024 को अगला ब्याज किश्त 16000 रूपया देना था। इसी प्रकार आरोपी गोकुल सिदार ने बताया कि 01 वर्ष पूर्व उसने मृतक से 10000 रूपये ब्याज में राशि ली हुई थी जिसका कुछ मूल चुकाने पश्चात 7500 रूपये मूल राशि के प्रतिमाह 1500 रूपये ब्याज देना पड़ रहा था जिससे उक्त दोनो आरोपी अत्यंत आक्रोशित थे इसलिये दोनो आरोपियों ने अपने अन्य चार साथियों के साथ प्लानिंग कर उड़ीसा के एक लोहार से चारपहिया वाहन के प ? ?ट्टा से तलवारनुमा धारदार हथियार बनवाकर हत्या के 02 दिवस पूर्व हत्या की पूरी प्लानिंग कर घटना को अंजाम दिया। आरोपियों के निशानदेही पर घटना स्थल एवं आरोपियों के बताये स्थानों से हत्या में प्रयुक्त हथियार, गाडियों, मोबाईल, जले कपड़ो की राख आदि जप्त किया गया।

उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी बरमकेला, कोतवाली, सरिया, डोगरीपाली एवं उनके स्टाफ तथा सायबरसेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आरोपियों की नाम :-

(01) हेमानंद सारथी पिता जय प्रकाश सारथी उम्र 27 वर्ष सा0 हिरी थाना बरमकेला,

(02) गोकुल सिदार पिता हिरालाल सिदार उम्र 28 वर्ष सा0 सहजपाली थाना बरमकेला,

(03) मिनेन्द्र कुमार सारथी, पित्ता श्याम कुमार सारथी उम्र 27 वर्ष सा0 बिकमपाली (ऐरीपाली मुहल्ला) थाना
सरिया जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़

(04) आत्माराम सारथी पिता पिता वेगुधर उम्र 30 वर्ष सा0 कर्राकोट थाना सरिया,

(05) राजू बौहान पिता रामकृष्ण चौहान उम्र 24 वर्ष सा0 हिर्री थाना बरमकेला

(06) श्रवण कुमार सारथी पिता तिहारू उम्र 27 वर्ष सा0 तिउर खड़ीयापारा थाना खरसिया जिला रायगढ़ (छ ग)

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला पुलिस लगातार अपराधिक गतिविधियों में अंकुश लगाने में लगी हुई है लेकिन थोड़ी सी जागरूकता आमजन मानस को भी लाने की जरूरत है जहा किसी भी छोटी मोटी बात विवाद को लेकर आवेश में आकर किसी अपराधिक घटना को अंजाम देना यह कृत्य कही न कही दो परिवार को तबाह करता है और यह किसी सही नहीं न जन मानस के लिए और न ही सर्व समाज के लिए शांति संयम से जीवन में काम लेने की जरूरत है हम सबको और इस बात में हम सब को विचार करने की भी जरूरत है

खबर-खास

कलेक्टर अग्रवाल के निर्देशानुसार मत्स्याखेट पर लागू प्रतिबंध अवधि में मत्स्य विभाग द्वारा की जा रही निगरानी

गरियाबंद (समय दर्शन)। मछलीपालन विभाग द्वारा 15 अगस्त 2024 तक बंद ऋतु घोषित कर मत्स्याखेट पर पूर्णत:प्रतिबंध लगाया गया है।इस आदेश का जिले में पूर्णत:पालन सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर दीपक अग्रवाल के निर्देशानुसार मत्स्याखेट पर लागू प्रतिबंध अवधि की निगरानी की जा रही है।मत्स्याखेट पर लागू प्रतिबंध अवधि में मत्स्य पालन विभाग द्वारा सक्रिय होकर लगातार चेकिंग भी की जा रही है।सहायक संचालक मछलीपालन विभाग आलोक वशिष्ट ने बताया कि बंद ऋतु मछलियों के प्रजनन का काल होता है।इस अवधि में मछली की संख्याओं में बढ़ोतरी होती है। छत्तीसगढ़ प्रदेश के नदियों नालों तथा छोटी नदियों,सहायक नदियों में जिन सिंचाई के तालाब,जलाशय (बड़े या छोटे) जो निर्मित किये गये है,में किये जा रहे केज कल्चर के अतिरिक्त सभी प्रकार का मत्स्याखेट 15 अगस्त 2024 तक पूर्णत: निषिद्ध किया गया है।इन नियमों का उल्लंघन करने पर एक वर्ष का कारावास अथवा 10 हजार रूपये का जुर्माना अथवा दोनों एक साथ होने का प्रावधान है। उक्त नियम केवल छोटे तालाब या अन्य जल स्त्रोत जिनका संबंध किसी नदी नाले से नहीं है,के अतिरिक्त जलाशयों में किये जा रहे केज कल्चर में लागू नहीं होंगे।

सुरक्षा डायग्नोस्टिक लिमिटेड ने सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) किया दाखिल

रायपुर। सुरक्षा डायग्नोस्टिक लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। क्रिसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार सुरक्षा डायग्नोस्टिक लिमिटेड वित्त वर्ष 2023 तक परिचालन आय के मामले में पूर्वी भारत में मुख्यालय वाली सबसे बड़ी फुल-सर्विस और इंटीग्रेटेड डायग्नोस्टिक चैन है। ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के अनुसार, कोलकाता मुख्यालय वाली कंपनी के आईपीओ में सेलिंग शेयरधारकों के 1.92 करोड़ इक्विटी शेयर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है। ओएफएस में इन्वेस्टर सेलिंग शेयरधारक - ऑर्बिमेड एशिया द्धद्ध मॉरीशस लिमिटेड के 1,06,60,737 इक्विटी शेयर शामिल हैं। साथ ही, प्रमोटर विक्रय शेयरधारक - डॉ. सोमनाथ चटर्जी, रितु मित्तल और सतीश कुमार वर्मा द्वारा प्रत्येक के 2,132,148 इक्विटी शेयर, और व्यक्तिगत विक्रय शेयरधारक, मुन्ना लाल केजरीवाल और संतोष कुमार केजरीवाल द्वारा क्रमश: 799,556 इक्विटी शेयर और 1,332,593 इक्विटी शेयर ऑफर फॉर सेल शामिल है। । इस ऑफर का उद्देश्य विक्रय शेयरधारकों द्वारा 1.92 करोड़ इक्विटी शेयरों तक की बिक्री की पेशकश करना है; और स्टॉक एक्सचेंजों पर इक्विटी शेयरों को सूचीबद्ध करने का लाभ प्राप्त करना है। डॉ. सोमनाथ चटर्जी ने स्वर्गीय किशन कुमार केजरीवाल के साथ मिलकर 1992 में 'सुरक्षा' ब्रांड के तहत कोलकाता में एक पूरी तरह से व्यापक डायग्नोस्टिक सेंटर बनाया।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

उदघोषणा

रा.प्र.क्र. 202407103000268/ अ-6/वर्ष 2023-24

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राधेश्याम सोनी पिता स्व. बांकेलाल सोनी निवासी हरनाबांधा रोड, शिक्षक नगर दुर्ग तह0 व जिला दुर्ग (छ0ग0) के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। कि ग्राम उमरपोटी प.ह.न 52 रा.नि.म. उतई तह व जिला दुर्ग में कृषि भूमि खसरा नंबर 214, 312/6, 770/1 रकबा कमश 0.03, 0.0960, 0.073 हे. भूमि सुशीला बाई, राधेश्याम, यशवंत सोनी के संयुक्त नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि स्वामी सुशीला बाई की मृत्यु दिनांक 13/02/2023 को हो चुकी है। भूमिस्वामी के विधिक वारिसानों में राधेश्याम सोनी (पुत्र), यशवंत सोनी (पुत्र), राजस्व अभिलेख से मृतक भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर उनके वारिसानों का नाम दर्ज किये जाने फैती नामांतरण आवेदन न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 16/8/24 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/7/24 को को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग(छ. ग.)

सियान सेवा सदन वृद्धाश्रम में टीबी जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

गरियाबंद (समय दर्शन)। ग्राम भिलाई स्थित समाज कल्याण विभाग एवं प्रेरक सेवा संस्थान द्वारा संचालित सियान सेवा सदन वृद्धाश्रम में कलेक्टर दीपक अग्रवाल के निर्देशानुसार और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ गार्गी यदु पाल के मार्गदर्शन में पिरामल फाऊंडेशन एवं जिला क्षय नियंत्रण केंद्र गरियाबंद के संयुक्त तत्वावधान में वृद्धजनों हेतु स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सियान सेवा सदन के संचालक कोमल साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि बुढ़ापा कोई बिमारी नहीं है।एक दिन हम सब को इस उम्र के पड़ाव से गुजरना है।इस उम्र में जिंदादिली के साथ सबसे स्नेह प्यार से बातें करें और खुद को व्यस्त रखते हुए कार्य करें तो बुढ़ापा भी खुशहाल रहेगा।वृद्ध जनों के लिए उच्च रक्तचाप,रक्त शर्करा की बिमारी की जांच कराना अति आवश्यक है।बुढ़ापे में शूगर,और उच्च रक्तचाप का होना आजकल आम बात हो गई है।जिसकी नियमित जांच कराना बहुत जरूरी है,अपने दिनचर्या और आहार व्यवहार में बदलाव कर इन बीमारियों पर नियन्त्रण रखा जा सकता है।साथ ही समय समय पर टीबी का भी जांच होना चाहिए।इस बिमारी में संक्रमण का भय रहता है ।एक टीबी मरीज अपने संपर्क में आने वाले दस से पन्द्रह लोगों को संक्रमित कर सकता है।इसलिए जिन्हें भी दो सप्ताह से अधिक खांसी है उन्हें अनिवार्य रूप से अपनी खखार जांच करानी चाहिए।पिरामल फाऊंडेशन के जिला कार्यक्रम अधिकारी नर्मदा साहू ने कहा कि 2025 तक सम्पूर्ण भारतवर्ष को टीबी मुक्त देश बनाने का लक्ष्य रखा गया है जिसके अन्तर्गत प्रत्येक पंचायतों पर विशेष ध्यान देकर टीबी मुक्त पंचायत बनाने की प्रक्रिया चल रही है टीबी की बिमारी अब ला-ईलाज नहीं है, इस बिमारी के लिए दवा एवं सभी जांच सुविधाएं जिला चिकित्सालय में उपलब्ध हैं। कार्यक्रम का संचालन करते हुए पिरामल फाऊंडेशन के नर्मदा साहू ने कहा कि पुरा कोर्स पक्का इरादा के साथ अपने जीवन को सम्बल बनाये। समय पर जांच और इलाज से मरीज टीबी मुक्त होगा ,समाज में जागरूकता आयेगी और भारत देश टीबी मुक्त बन जायेगा।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर मजरकटा की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी रिचा कुटारे द्वारा सियान सेवा सदन के सभी वृद्धजनों का उच्च रक्तचाप और शुगर जांच कर दवाई का वितरण किया गया।

आभार प्रदर्शन करते हुए संस्था की भूपेश्वरी यादव और नंदनी ने कहा कि सभी बीमारियों के विषय में और अधिक जागरूकता लाने की जरूरत है। सियान सेवा सदन में आयोजित कार्यक्रम में सभी के बेहतर स्वास्थ्य के लिए स्वास्थ्य विभाग और पीरामल फाउंडेशन के प्रति आभार व्यक्त किया गया और ऐसा आयोजन समय-समय पर होता रहे इस बात पर सहमति दी गई।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने करें प्रभावी उपाय- कलेक्टर अग्रवाल

ब्लैक स्पॉट की पहचान कर करें आवश्यक सुधार

कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिये निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक ली।उन्होंने बैठक में जिले के सड़क सुरक्षा के लिए अपनाए जाने वाले प्रावधानों एवं सड़कों पर होने वाले दुर्घटनाओं को रोकने के लिए किये जाने वाले उपायों पर विस्तृत चर्चा की।कलेक्टर ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी उपाय अपनाने के निर्देश दिये।उन्होंने दुर्घटना संभावित स्थानों एवं ब्लैक स्पॉट की पहचान कर आवश्यक सुधार कार्यवाही भी करने के निर्देश दिये।कलेक्टर श्री अग्रवाल ने घुमंतु मवेशियों के कारण सड़कों पर होने वाली दुघटनाओं को रोकने के लिए आवारा पशुओं को रोकने का नियमित अभियान चलाने के निर्देश दिये।साथ ही मवेशियों के गले पर रेडियम बेल्ट अनिवार्यत:लगाने को कहा।जिससे रात में आने-जाने वाले वाहन चालक को दूर से ही मवेशी होने का संकेत मिल सकेगा।इससे वाहन चालक सतर्क होकर आवागमन कर सकेंगे।कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग के अंतर्गत मवेशियों की संख्या ज्यादा रहने वाले स्थानों का चिन्हांकन कर इन स्थानों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिये। साथ ही सड़क में घुमने वाले आवारा पशुओं को पकड़कर सुरक्षित नजदीकी गौठान या गौशाला में रखने के निर्देश दिये।इसके अलावा सड़कों पर खुले घुमने के लिए छोड़ने वाले पशु मालिकों पर नियमानुसार जुर्माने की भी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने पशुओं को सड़क पर नहीं छोड़ने के संबंध में ग्रामीणों को जागरूक भी करने के निर्देश दिये।इस कार्य के लिए जिला पंचायत,नगरीय निकाय,परिवहन,पीडब्ल्यूडी, एनएच,पुलिस,पीएमजीएसवाय एवं पशुपालन विभागों को समन्वय बनाकर आवारा पशुओं के रोकथाम के लिए कार्य करने के निर्देश दिये।इस दौरान बैठक में डीएसपी सुश्री निशा सिन्हा,जिला परिवहन अधिकारी रविन्द्र ठाकुर,ईई पीएमजीएसवाय आर.बी.सोनी,नगर पालिका, पीडब्ल्यूडी,आरईएस,एनएच सहित संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे वाले गांवों के सरपंच एवं सचिवों की बैठक लेकर उन्हें आवारा पशुओं से होने वाले दुर्घटना के संबंध में जागरूक करने के भी निर्देश दिये। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने बैठक में आमजनों की जानमाल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। साथ ही नियमों की अनदेखी करने वालों पर सख्त कार्यवाही करने के लिए कहा।साथ ही लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करने के लिए कहा।उन्होंने जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग एवं सहायक सड़कों के दुर्घटनाजन्य वाले स्थानों को चिन्हित कर रंबल स्ट्रिप बनाने,आवश्यक स्थानों पर साइन बोर्ड लगाने के निर्देश दिये।उन्होंने सड़कों पर यातायात संकेतक,चेतावनी,ट्रैफिक कॉलिंग हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। साथ ही अंधे मोड़ों पर बेहतर दृश्यता के लिए जिले में विभिन्न सड़कों पर ब्लैक-स्पॉट एवं दुर्घटना जन्य स्थलों का संयुक्त निरीक्षण कर ड्रायविंग में विचलित करने वाले होर्डिंग्स को हटाने के निर्देश दिये।कलेक्टर ने कहा कि सड़कों पर नियम के विरूद्ध वाहन चलाने वाले वाहन चालकों पर मोटरयान अधिनियम एवं अन्य ट्रैफिक नियमों के पालन न करने पर कार्यवाही करे।खतरनाक तरीके से वाहन चलाने एवं शराब पीकर वाहन चलाने वाले तथा अन्य अपराधिक मामलो में लिप्त वाहन चालकों के ड्रायविंग लाइसेंस निलंबन की कार्यवाही करे।साथ ही दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने एवं कार चालकों को सीट बेल्ट का उपयोग करने के लिए जागरूक किया जाए।

कलेक्टर ने अधिकारियों की बैठक लेकर निर्माण कार्यों की समीक्षा की

निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने निर्माण विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।उन्होंने लोक निर्माण विभाग,एडीबी,ग्रामीण यांत्रिकी,प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना,गृह निर्माण मंडल,राष्ट्रीय राजमार्ग, सीजीएमएससी एवं सेतु निगम के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की गहन समीक्षा की। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने कहा कि स्वीकृत निर्माण कार्य जनसामान्य की बहुप्रतीक्षित मांगों से संबंधित होते हैं,इन निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करना चाहिए।जिससे इसका लाभ संबंधित क्षेत्रवासियों को समय में मिल सके।उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य जरूरत के आधार पर ही मांग की जाती है और उसे स्वीकृत किया जाता है, विकास कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने से उस क्षेत्र के नागरिकों को उसका लाभ समय पर मिलता है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विकास कार्यों की सूची बनाएं और उसके आधार पर मॉनिटरिंग करें, इससे निर्माण कार्य में तेजी आएगी।उन्होंने विकासखण्डवार चल रहे विकास कार्यों के लिए डायरी संधारित करने और छोटे-बड़े सभी प्रकार के विकास कार्यों को पूर्ण करने के लिए लक्ष्य निर्धारित करने कहा।उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।उन्होंने निर्माण कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसी द्वारा निर्माण कार्यों में कोई परेशानी आती है उसकी जानकारी साझा करें।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने अधिकारियों से कहा कि विभागीय योजनाओं के अंतर्गत जो भी निर्माण कार्य स्वीकृत किये गए है,उसे शीघ्र प्रारंभ करें और जो कार्य निर्माणाधीन है उसे पूर्ण करें।कलेक्टर ने स्वीकृत निर्माण कार्यों में प्रगतिरत कार्य,अप्रारंभ कार्य के आधार पर अधिकारियों से चर्चा कर सभी कार्यों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्कूल जतन योजना के अंतर्गत स्कूलों के जीर्णोद्धार कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बंद पड़े कार्यो को शुरू कराये।रिटेंडर वाले कार्यो को टेंडर में लाने की कार्यवाही करे।इसके अलावा स्वीकृत कार्यो की सूची उपलब्ध कराये।जिन स्थलों पर कार्य पूर्ण हो चुका है,ऐसे स्थलों के समीप मलबा हो तो उसे हटाने की कार्यवाही करे। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने समीक्षा बैठक में जिले में हो रहे सड़क,पुल पुलिया निर्माण,नहर लाइनिंग शासकीय आवास निर्माण, अस्पताल, हाउसिंग बोर्ड,स्टॉफक्वाटर, आंगनबाड़ी एवं स्कूल भवन के निर्माणाधीन कार्यों के अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने विलंब चल रहे निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश निर्माण एजेंसी को दिए।उन्होंने कहा कि शासकीय निर्माण एवं विकास कार्यों में लापरवाही और अरुचि बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने कहा की निर्माण कार्यों के कंस्ट्रक्शन प्लान के अनुसार सभी कार्यों को पूर्ण किया जाए। वर्तमान स्थिति के अनुसार कार्य विलंब होने पर संबंधित ठेकेदारों पर अनुबंध राशि के अनुपात में जुर्माना लगाया जाए। कलेक्टर ने कहा की तय समय में कार्य पूरा नहीं करने और शासकीय निर्माण विकास कार्यों को पूरा नहीं करवाने में अरुचिकर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। इस दौरान बैठक में संबंधित विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

महिंद्रा ट्रक एंड बस ने रायपुर, छत्तीसगढ़ में नई डीलरशिप का उद्घाटन किया

रायपुर (समय दर्शन)। वित्त वर्ष 24 में बिजनेस वॉल्यूम में 46 प्रतिशत की मजबूत 4 साल की सीएजीआर वृद्धि के बाद, महिंद्रा के ट्रक और बस डिवीजन (एमटीबीडी) ने रायपुर, छत्तीसगढ़ में नई अत्याधुनिक डीलरशिप, बथवाल सर्विसेज का उद्घाटन किया। यह डीलरशिप 27,000 वर्ग फुट में फैली हुई है और इसमें कुल 10 वाहन सर्विस बे हैं, जो ड्राइवर लॉजिंग, 24 घंटे ब्रेकडाउन सहायता और एडब्लू उपलब्धता भी प्रदान करते हैं। इस अवसर पर महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के बिजनेस हेड - कमर्शियल व्हीकल्स श्री जलज गुप्ता ने कहा, ''भारत के कमर्शियल व्हीकल्स के बाजार में महिंद्रा के ट्रक और बस डिवीजन (एमटीबीडी) की मजबूत उपस्थिति है, जिसने पहले ही कई क्षेत्रों और बाजारों में नंबर 3 स्थान हासिल कर लिया है। हमें विश्वास है कि हमारे नेटवर्क में इन 5 नई डीलरशिप के जुड़ने से हमारी पहुंच का विस्तार करने में मदद मिलेगी। नई डीलरशिप हमारे ग्राहकों को वाहनों की सर्विसिंग में मदद करेगी और उनके बेड़े को देखभाल के लिए अधिक समय प्रदान करेगी। हम आगे के अवसरों को लेकर उत्साहित हैं और अपने सम्मानित ग्राहकों को इनोवेटिव और बेहतर परिवहन समाधान प्रदान करने के लिए तत्पर हैं।'' श्री गुप्ता ने महिंद्रा के वाहनों की बेहतर तकनीकी क्षमता के बारे में जोर देते हुए क्स6 ह्रक्ष्ठ द्धद्ध रेंज के ट्रकों के लिए नई माइलेज गारंटी 'ज्यादा माइलेज नहीं तो ट्रक वापस' को भी लॉन्च किया, जो ट्रांसपोर्टरों के लिए लाभ के अवसरों को बढ़ाती है। उन्होंने आगे कहा कि मजबूत डीलर भागीदारों के साथ मिलकर ये अत्याधुनिक 3एस सुविधाएं उच्च ग्राहक सेवा मानक स्थापित करेंगी और महिंद्रा के ट्रक और बस डिवीजन कारोबार का विस्तार करेंगी। महिंद्रा ब्लेज़ो एक्स, फुरिओ, ऑप्टिमो और जयो भारत में एकमात्र सीवी ट्रक रेंज हैं जो श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ ईंधन दक्षता सहित डबल सर्विस गारंटी देते हैं।

इंडियन ऑयल ने ग्रीन हाइड्रोजन ई-मोबिलिटी के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए भारतीय नौसेना को ग्रीन हाइड्रोजन ईंधन सेल बस से सुसज्जित किया

नई दिल्ली। इंडियन ऑयल ने सुदृढ़, पर्यावरण-अनुकूल परिवहन समाधानों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारतीय नौसेना को एक अत्याधुनिक हरित हाइड्रोजन ईंधन सेल बस सौंपी है। हेवी-ड्यूटी ई-मोबिलिटी के लिए हाइड्रोजन ईंधन सेल प्रौद्योगिकी के प्रयोग में अग्रणी बनने के लिए इंडियन ऑयल और भारतीय नौसेना के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया । यह एक ऐतिहासिक क्षण था ।

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, इंडियन ऑयल के अध्यक्ष श्री एस एम वैद्य और इंडियन ऑयल तथा भारतीय नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में, नई दिल्ली के नौ सेना भवन में वाइस एडमिरल, दीपक कपूर, भारतीय नौसेना के लॉजिस्टिक नियंत्रक और इंडियन ऑयल के कार्यकारी निदेशक डॉ. कन्नन चंद्रशेखरन के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया । भारतीय नौसेना के नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने इस अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, इंडियन ऑयल और भारतीय नौसेना के बीच साझेदारी विश्वास के अटूट बंधन पर बनी है। हम हाइड्रोजन बसों में से एक का परीक्षण करेंगे और बड़ी संख्या में पर्यावरण-अनुकूल परिवहन को तैनात करने के लिए उत्सुक है । भारतीय नौसेना को अपने भागीदार के रूप में चुनने के लिए मैं इंडियनऑयल को धन्यवाद देना चाहूँगा। यह बस हमारे आदर्श वाक्य - भारतीय नौसेना - युद्ध के लिए तैयार, विश्वसनीय, एकजुट और भविष्य के लिए तैयार बल को सुशोभित करेगी।

इंडियन ऑयल के अध्यक्ष श्री एस एम वैद्य ने इस पहल के बारे में उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, आज, भारतीय नौसेना के लिए इस उन्नत ग्रीन हाइड्रोजन ईंधन सेल बस के माध्यम से स्थिरता और पर्यावरणीय प्रबंधन की हमारी साझा खोज में यह प्रयास एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं। साथ ही नवाचार और हरित प्रौद्योगिकी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।卐 उन्होंने आगे कहा, 卐हम कल की जरूरतों को पूरा करने वाले नवोन्मेषी, दूरदर्शी समाधानों के साथ अपने रक्षा बलों का निरंतर समर्थन करते हैं। इंडियनऑयल हरित हाइड्रोजन और ईंधन सेल प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने में अग्रणी रहा है।'' यहां यह उल्लेख करना उचित है कि इंडियनऑयल वर्तमान में दिल्ली-एनसीआर और गुजरात में 15 ईंधन सेल बसें चला रहा है, जो कुल 300,000 किलोमीटर का माइलेज देती हैं, जहां प्रत्येक बस के कम से कम 20000 किलोमीटर चलने की उम्मीद है ।

SWACHH SURVEKSHAN #Mera Shahar, Meri Pehchan 2024 | TULIP

नगर पंचायत बसना जिला महासमुन्द (छ.ग.)

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0

क्र./...... दिनांक 25/07/2024

//आवश्यकता//

स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत जारी दिशानिर्देशों के अनुक्रम में राज्य के समस्त नगरीय निकायों में बीटेक/बीई स्नातक आवेदकों से Swachh TULIP कार्यक्रम अन्तर्गत TULIP INTERN TRAINEE हेतु निम्नानुसार आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं :-

ईंटर्नशिप की अवधि	आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि	एकमुश्त देय राशि	आवश्यक INTERN TRAINEE की संख्या	संपर्क (मो. नं.)
12 Weeks	05.08.2024	4500	2	9301635436

इच्छुक अभ्यर्थी अपना ऑनलाईन आवेदन https://internship.aicte-india.org/ में जमा कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी/पात्रता इत्यादि हेतु उपरोक्त मोबाईल नंबर से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

केवल ऑनलाईन आवेदन ही स्वीकृत किये जावेंगे।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत बसना

संक्षिप्त-खबर

महिला समूह घर घर जाकर एकत्र करेंगी कचरा, मोतीपुर में महिला महिला समूह को सामग्री प्रदान किया गया

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत मोतीपुर ने स्वच्छता की लिए एक और कदम बढ़ाए हैं। यहां पर महिला समूह के द्वारा घर-घर कचरा का एकत्रीकरण किया जाएगा। इसके लिए जय मां शीतला समूह को यह काम दिया गया है। महिला समूह के सदस्यों को पंचायत के प्रतिनिधियों ने सामग्री का वितरण किया। गुरुवार को ग्राम पंचायत भवन में जय मां शीतला समूह के सदस्यों को रिक्शा एवं कचरा कलेक्शन के लिए अन्य सामग्री प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सरपंच योगिता साहू, उपसरपंच मान बंजारे, सोनिया , और नरसिंह साहू, विष्णु , और सचिन समीर निषाद मौजूद रहे।

महासमुंद पुलिस के द्वारा बसना क्षेत्र में हुई बैटरी चोरी पर कार्यवाही

बसना (समय दर्शन)। बसना क्षेत्र में बढ रहे अपराध पर शिकंजा कशते हुए पुलिस को एक बार फि कामयाबी मिली है। चोरी की 01 नग ट्रेक्टर की बैटरी के साथ 01 आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। घटना का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी हरजिंदर सिंह बसना ने थाना मे उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि, दिनांक 18जुलाई2024 को रात्रि में सो रहे थे। सुबह करीबन 07 बजे उठकर ट्रैक्टर को खेत ले जाने जाने के लिए चालू किया जो ट्रैक्टर चालू नहीं हुआ तब उतर कर देखा कि ट्रैक्टर की बैटरी नहीं था, जिसे कोई अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गया है कि, प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना बसना में अप0क0 336/2024 धार 303 (2) क्ष्हस् अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। विवेचना दौरान चोरी का पता चलने पर ग्राम गढफुलझर निवासी संदेही कृपाचार्य मिरी पिता परमानंद मिरी के घर में दबिश दिया जो उपस्थित मिला जिन्हें कडाई से पूछताछ करने पर घटना दिनांक को चोरी करना कबूल करने पर आरोपी द्वारा अपने घर में रखा ट्रैक्टर की बैटरी को चोरी करना स्वीकार करने पर उक्त लाल रंग की एक्साईड कंपनी का बैटरी जिसका सीरियल कमांक छ्त्र॰0रु 4रु003800 मिला। जिसे जप्त कर थाना बसना में अपराध धारा 303(2) क्ष्हस् के तहत् कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया ।

गिरफ्तार आरोपी- (01) कृपाचार्य मिरी पिता परमांनद मिरी उम्र 32 साल साकिन गढफुलझर थाना बसना जिला महासमुन्द छ0ग0

बरामद मशरूका- 01. एक नग ट्रेक्टर की बैटरी कीमती 6500 रूपये।

संपूर्ण कार्यवाही महासमुंद पुलिस के द्वारा किया गया है।

बंसूला मे शिक्षा सप्ताह कार्यक्रम सम्पन्न

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड के प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शाला बंसूला मे शासन के निर्देशानुसार शिक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया । जिसके तहत प्रथम दिवस शिक्षिका अनिता साहू द्वारा टी एल एम का प्रदर्शन किया गया ।

द्वितीय दिवस पर प्राथमिक शाला बंसुला में गणमान्य नागरिक एवम् पालकों के सामने पुस्तक वाचन कार्यक्रम आयोजित किया गया ।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सालिक राम टंडन एफ एल एन के ब्लॉक अधिकारी उपस्थित थे ।उन्होंने सभी कक्षाओं का निरीक्षण किया एवं रोचक गीत के माध्यम से बच्चों को मनोरंजन कराया ।तृतीय दिवस में खेल कूद कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसमें छोटे बच्चों के लिए आकर्षक खेल रखा गया। जिसमें पहले एवम् दूसरी के बच्चों ने भाग लिया ,और खूब मजे के साथ खेल खेला । इस सभी कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के प्रधान पाठक प्रवीर कुमार बेहेरा,अनीता साहू ,सीता साहू पुष्पांजलि ,चमेली सागर, भारत साव एवं सभी शिक्षकों को योगदान रहा।

बाजार मे जलभराव और कचरा की समस्या

- नागरिकों व सब्जी विक्रेताओं को हो रही परेशानियाँ और प्रशासन की उदासीनता

बसना (समय दर्शन)। महासमुंद जिला अंतर्गत बसना हाटबाजार नगर पंचायत प्रशासन की उदासीनता के एक और किस्से बयां कर रहा है। बाजार मे जलभराव और कचरा की समस्या से नागरिकों व सब्जी विक्रेताओं को हो रही परेशानियाँ ।

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में स्थित बसना का बाजार क्षेत्र अपने जलभराव और कचरा समस्या के कारण पिछले कुछ समय से सुर्खियों में है। यह समस्या न केवल स्थानीय व्यापारियों और दुकानदारों के लिए बल्कि यहाँ आने वाले ग्राहकों के लिए भी बड़ी परेशानी का सबब बन चुका है। बरसात के मौसम में यह समस्या और गंभीर हो जाती है।

बता दें कि,जलभराव की समस्या- बसना का बाजार क्षेत्र जलभराव की एक और किस्सा बयां कर रहा है। हल्की बारिश के

बाद भी यहाँ की सड़कों पर पानी भर जाता है। जिससे न केवल यातायात बाधित होता है बल्कि पैदल चलने वालों के लिए भी कठिनाई बढ़ जाती है। बाजार क्षेत्र की सड़कों की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि लोग वहाँ से गुजरने में कतराने लगे हैं। जलभराव के कारण सड़कों पर कीचड़ फैल जाता है। जिससे पैदल चलना मुश्किल हो जाता है और व्यापारियों को भी अपनी दुकानों तक पहुँचने में दिक्कत होती है।

कचरा और गंदगी- जलभराव के साथ ही बसना के बाजार में कचरा भी एक गंभीर समस्या बन गई है। बाजार क्षेत्र में कचरा डिब्बों की कमी के कारण लोग सड़कों पर ही कचरा फेंकने लगे हैं। इसका परिणाम यह हुआ है कि यहाँ की सड़कों और गलियों में कचरे के ढेर लगे रहते हैं। इस गंदगी के कारण बाजार में आने वाले लोगों को बदबू और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

प्रशासन की उदासीनता ने फुटकर सब्जी विक्रेताओं को हो रही काफी परेशानी ।

बाजार समिति अध्यक्ष मिलन दास एवं स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों का कहना है कि उन्होंने कई बार जनप्रतिनिधियों और नगर पंचायत प्रशासन से इस समस्या की ओर ध्यान देने की अपील की है, लेकिन उनकी बातों को अनसुना कर दिया गया।

ग्राम सोनामुन्दी की सड़कें जर्जर

बसना (समय दर्शन)। महासमुन्द जिला का बसना ब्लाक के अनेक ग्राम बरसात के समय मुख्यालय से दूर हो जाते हैं । गौरतलब हो कि, सरकार ग्रामीण जनजीवन के उत्थान को लेकर बडे बडे दावे करती है पर वस्तुस्थिति अलग है।

ग्राम सोनामुंदी जनजातीय ग्राम है,,यहाँ सबसे अधिक आदिवासी मूलनिवासी निवासरत हैं । यहां की सड़कें भारत वर्ष में मनाये जा रहे अमृत महोत्सव के ठीक विपरीत अपनी बदहाली का दर्द बयां कर रही है ।

सोनामुंदी में सड़क की समस्या अब भी जस की तस बनी हुई है ,जैसे वर्षो थी । देश को आजाद हुए 76 साल हो गये और सरकार इस पर अमृत महोत्सव मना रही है । परंतु बसना ब्लाक का छोटे पटनी आश्रित सोनामुंदी ऐसा गांव है जहां अब भी लोग कच्चे मार्ग से आवागमन करते हैं। बसना से महज 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है । यहां के लोग अब भी रोड कि सुविधा से वंचित है। न जाने इतने वर्षों से बसना विधानसभा में अनेक विधायक मंत्री हुए पर इस गांव की सुध लेने वाला कोई नही हुआ। ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधी खोलबाहरा निराला का कहना है कि यहां बरसात के दिनों में आने जाने में काफी तकलीफ होती है। खासतौर पर जब कोई बिमार हो तो गांव में एम्बुलेंस तक नही पहुंच पाती । हमने वर्तमान विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल को इस बारे में अवगत कराया है पर अभी तक कोई कार्य योजना नही बनी है। उनके संज्ञान से कुछ हो सकता है । अभी हम सब भगवान भरोशे हैं ।

इस बात को लेकर ग्राम प्रमुख शिव लाल नेटी ने कहा कि हमारे क्षेत्र के अधिकारी कर्मचारी नेता मंत्री है उन्हें ऐसे दिनो मे हमारे गांव आकर जरूर देखना चाहिए कि, हम गांव वाले कितने तकलीफ में हैं। गांव के बच्चे मीडिल स्कूल के लिए छोटेपटनी जाते है तथा हाईस्कूल के लिए चिमरकेल,गढ़फुलझर जाते हैं । आने जाने में किचड़ व गड्ढों के कारण बच्चों को काफी तकलीफ होती है। चिमरकेल पिलवापाली तरफ से आने का मार्ग भी अत्यधिक खराब है- और बडेडाभा से छोटे पटनी मार्ग भी खराब है। ऐसे स्थिति में हम क्या करें । बसना विधानसभा में अनेक गांव है जहां आवागमन हेतू रोड की सुविधा नही है। अब भी कच्चे मार्ग से लोग आने जाने पर मजबूर है । अब देखने वाली बात है कि, अधिकारी से लेकर नेता मंत्री विकास की बड़ी बडी बात कहते हैं ।पर इस गांव का विकास कब होगा कोई नहीं जानता । अब इनके लिए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री सड़क योजना सिर्फ सपना बन कर रह गया है ।

गुरु बिना ज्ञान अधूरा है...टिकेश्वर साहेब

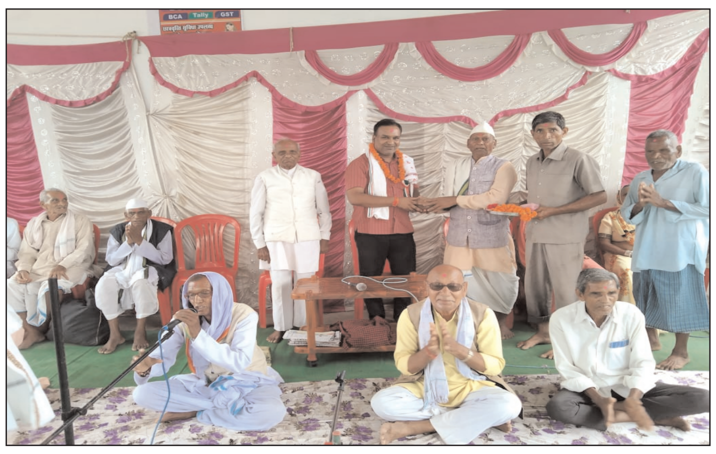

- सर्वोदय मंडल जरवाय ने मनाया गुरु पूर्णिमा!

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम जरवाय(भंसूली)में सर्वोदय मंडल ने गुरु पूर्णिमा धूमधाम से मनाया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अशोक साहू उपाध्यक्ष जिप दुर्ग,हिरौंदी ठाकुर सरपंच,श्यामलाल साहू,शिवकुमार साहू ,सोमनाथ साहू उपसरपंच ने सदगुरु कबीर दास साहेब,राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करके किया।

संत टिकेश्वर साहेब कबीर आश्रम कोलियारी का गुरु पूजन किया गया। उन्होंने ध्यानमूलं, गुरु मूर्ति, पूजामूलं, गुरुपदम्, मंत्रमूलं, गुरु वाक्यम, मोक्षमूलं,गुरुपा कृपा का गूढ़ अर्थ बतलाए। साहेब जी ने चौदह प्रकार के व्यक्ति को मुर्दा के समान माना है जिसमें कोल,काम,बस कृपण विमूढ ।अति दरिद्र,आलसी बूढ़ा।। शामिल है।

पटेल साहेब,भुवन साहू,मंगल निर्मल ने भी सत्संग के माध्यम से गुरु महिमा का बखान किया। इस अवसर पर ईश्वर वर्मा,देवशरण साहू,श्याम लाल साहू, ढेलूराम साहू,पवन साहू, उदयप्रताप साहू, पुनीत राम पटेल, धनंजय साहू,कला बाई साहू, सुंदर साहू, ईश्वर वर्मा,फिरंता साहू, दशरथ यादव, लीला यादव, झाडू राम साहू, भादू राम साहू, शिवकुमार साहू, सोहन जोशी, हुलास पटेल, बिहारी पटेल, कृष्ण कुमार,मिलऊ यादव सहित सत्संग प्रेमी ग्रामीणजन उपस्थित थे।

सावन माह की बारिश से किसानों के चेहरों में लौटाई रौनक, बारिश थमते ही खेती का कार्य में आई तेजी, पाटन क्षेत्र में हुई , नदी नाले ,खेत लबालब

पाटन (समय दर्शन)। पाटन सहित आसपास गांवों में पिछले चार दिन से क्षेत्र में मौसम ने अचानक करवट बदलते हुए बिजली और गर्जना के साथ बारिश हुई। जो किसान अकाल आशंका से भयभीत हो गये थे उसे आज हुई वर्षा ने सूखते हुए धान के पौधे को राहत दी है। किसान अवर्षा के कारण किसान कृषि कार्य करना ही छोड़ दिये थे । बोता के धान खेत में जैसे थे वैसे ही स्थिति में थे। रोपाई के लिए थरहा भी बढ़ गये थे और गर्मी के कारण जलने लगे थे । भूमि जल स्तर भी कम होने से बोर पंप भी हाँफने लगे थे और आधे से एक घंटे चलने के बाद रुकने लगे थे । अब आज के वर्षा से कृषि कार्य गति पकड़ने के साथ ट्युब वेल के जल स्तर के सुधार होने से रोपाई कार्य के साथ बियासी कार्य की शुरुआत हो गई है। इससे पहले जून जुलाई महीने में ढंग से बारिश नहीं हुई थी। इसके बाद जुलाई माह के अंतिम दिनों में मानसुनी बारिश से किसानों के चेहरों पर रौनक लौट दी है । जुलाई माह में वर्षा नहीं होने से किसान कृषि कार्य के लिए पानी की कमी के साथ धान के थरहा भी गर्मी से

जलने लगे थे ।

अब लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम के बदलते ही लोगों को गर्मी से राहत मिली है। बुधवार के दिन भर झडी होने से सड़कें वीरान दिखाई दिया। पाटन क्षेत्र में बुआई के लिए शुरुवाती वर्षा अच्छी होने के कारण करीब 90 प्रतिशत किसानों ने बुआई कर लिए थे । लेकिन उसके बाद अवर्षा की स्थिति बन गई थी ।इस वर्षा से तालाब नदी नाले छोटे स्टापडेम चेक डेम छोटे गड्ढे सभी भर गये है एनीकट भी छलकने लगा है । बठेना के कृषक सुनील वर्मा ने बताया कि वे 40 एकड़ में रोपा पद्धति से खेती करते है ।जुन जुलाई के माह में थरहा डाला दिये थे ।रोपाई के लिए खेत भी तैयार कर लिये थे लेकिन खेत में पांच तीन व दो एच पी के पंप चलने के बाद भी कृषि कार्य गति नहीं पकड़ रही थी लेकिन इस पानी से खेती कार्य में गति आयेगी । किसानों ने रोपा के लिए थरहा डाल दिये और थरहा रोपाई के लिए तैयार भी हो गया था । छोटे किसान धीरे धीरे करके रोपाई कार्य कर रहे थे लेकिन बड़े किसानों के कृषि कार्य अब गति पकडेगा जो किसान पहली बारिश से बुआई व थरहा डालने का कार्य कर लिये थे। उनके खेतों में धान के बड़े बडे पौधे दिखाई दे रहा है। और जो जुन के प्रथम सप्ताह में ही थरहा के बीज डाल दिये थे ।उनकी रोपाई कार्य भी इस बारिश के बाद से शुरु हो जायेगी । ट्युबवेला रिचार्ज नहीं होने के कारण बड़े किसान लेकिन किसान चिंचित हो गये औ पानी की आपूर्ति नहीं होने पर रोपाई का कार्य भी रुक गया था ।अब आज के इस वर्षा से रोपाई कार्य के साथ बियासी के कार्य प्रारम्भ होने की संभावना है ।इसलिए इस वर्षा से जहां लोगों को गर्मी से राहत तो मिली है और पूर्णतः कृषि कार्य के लिए यह पानी अभी पर्याप्त नजर आता है।

कम होने लगा खारुन नदी में पानी - लगातार चार दिन वर्षा होने से खारुन नदी का भी जलस्तर बढ़ गया था। जितने भी एनीकेट थे सभी के ऊपर से पानी बह रहा था। बुधवार को शाम से मौषम में बदलाव आया और बारिश थम गई। आज गुरुवार की खारुन नदी का पानी भी कम होने लगा। धीरे धीरे स्थिति सामान्य होने लगी है।

एसडीएम ने ली जानकारी- गुरुवार को एसडीएम दीपक कुमार निकुंज ने पाटन तहसील के तहसीलदार नायब, सभी नायब तहसीलदार की बैठक ली। उन्होंने राजस्व संबंधी प्रकरण का तेजी से निराकरण के निर्देश दिए। इसके अलावा खारुन नदी के किनारे गांवो के किनारे खारुन नदी की बहाव पर की जानकारी लगातार देते रहने की जानकारी दिया। इसके अलावा निर्देश दिए की पटवारी और कोटवार के माध्यम से भी लगातार जानकारी जुटाने के निर्देश दिए।

पाटन में भाजपा की निकाय और पंचायत चुनाव की तैयारी शुरू, मध्य मंडल की विस्तृत कार्यसमिति की बैठक 27 जुलाई को पाटन में

बलराम यादव

पाटन (समय दर्शन)। भाजपा प्रदेश एवं जिला भाजपा के निर्देशानुसार मध्य मण्डल की विस्तृत कार्यसमिति बैठक का आयोजन 27 जुलाई को दोपहर 2 बजे रेस्ट हाउस पाटन में भाजपा मध्यमण्डल अध्यक्ष खेमलाल साहू की अध्यक्षता में आहूत किया गया किया गया है द्य उक्त बैठक में प्रमुख वक्ता विजय बघेल सांसद दुर्ग लोकसभा, मुख्य वक्ता ललित चन्द्राकर विधायक दुर्ग ग्रामीण विधानसभा, जितेंद्र वर्मा जिलाध्यक्ष भाजपा दुर्ग, दिलीप साहू जी विधानसभा संयोजक,श्रीमति हर्षा चंद्राकर जी सदस्य जिला पंचायत दुर्ग, देवेंद्र चंदेल प्रभारी मध्यमण्डल पाटन, लालेश्वर साहू अध्यक्ष दक्षिण मण्डल, लोकमनी चन्द्राकर जी अध्यक्ष उत्तर मण्डल अतिथि वक्ता रहेंगे द्य उक्त कार्यसमिति बैठक में अपेक्षित श्रेणी :- मध्य मंडल भाजपा संगठन पदाधिकारी/ कार्यकारिणी सदस्य, मंडल कार्यसमिति, मंडल में निवासरत प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी/ कार्यसमिति सदस्यगन, मंडल के समस्त मोर्चा अध्यक्ष/महामंत्री, पदाधिकारीगण, शक्तिकेन्द्र के प्रभारी, संयोजक /सहसंयोजक, बूथ अध्यक्ष, सचिव, बी एल ए दो, महिला प्रमुख, युवा प्रमुख, समर्थित जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्यगण, सरपंचगण, नगर पंचायत के नेता प्रतिपक्ष, पार्षदगण की उपस्थिति रहेगी द्य उक्त बैठक की जानकारी हरिशंकर साहू, विनय चन्द्राकर महामंत्री द्वय भाजपा मध्य मंडल पाटन के द्वारा दिया गया।

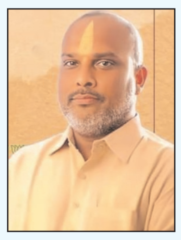

सांसद विजय बघेल एवं विधायक ललित चन्द्राकर होंगे शामिल

मंदिर बनाने जंगल कटाई की अनुमति

बसना (समय दर्शन)। केंद्र सरकार द्वारा पर्यावरण रक्षा के लिए माँ के नाम पेड़ लगाने का आह्वान कर पौधे लगाने प्रोत्साहित किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर पिथौरा वन परिक्षेत्र में एक ध्वज लगाकर मंदिर बनाने हजारों पेड़ काट कर अब पेड़ काटने की अनुमति लेने की औपचारिकता पूरी की जा रही है। ज्ञात हो कि इन दिनों हाइवे के किनारे की राजस्व एवं वन भूमि में पहले मंदिर निर्माण किया जा रहा है उसके बाद धीरे धीरे आसपास के पेड़ पौधों की कटाई कर जंगल को मैदान बनाया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार पिथौरा वन परिक्षेत्र के सांकरा उपवन क्षेत्र के ग्राम लोहरीनडोंगरी के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे अवैध कब्जे को लेकर जंगल में

सैकड़ों पेड़ों को काट देने का मामला सामने आया है। काटे गए पेड़ अनेक प्रजातियों के हरे-भरे छोटे-बड़े भारी संख्या में बताए जा रहे हैं।

इस वर्ष भीषण गर्मी को देखते हुए सरकारों से लेकर सामाजिक संस्थाओं को भी यह आभास हो गया है कि पर्यावरण की आवश्यकता क्यों है? पर्यावरण बचाने के लिए वृक्षारोपण का क्या महत्व है। इसे देखते हुए केंद्र से लेकर राज्य सरकारें एवं स्वयंसेवी संस्थाए वृहद स्तर पर वृक्षारोपण करने जुटी है, वहीं दूसरी ओर हजारों पेड़ों की लगातार बलि चढ़ाकर लोग अपना स्वार्थ सिद्ध कर रहे हैं। इसके लिए सबसे अच्छा

साधन मंदिर के लिए जमीन मांगने का है। इस नाम से चाहे जनप्रतिनिधि हो या अफसर। वे आसानी से इसकी स्वीकृति के लिए तैयार भी हो जाते है। चाहे इसके लिए हजारों पेड़ों की बलि देनी पड़ी। शायद वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी इसे पुण्य का कार्य समझ कर सब देखते हुए भी कुछ नहीं देख पा रहे हैं ।

आज दोपहर एक बजे समाचार लिखे जाने तक राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे कई एकड़ के क्षेत्रफल वाले उप वन परिक्षेत्र सांकरा के ग्राम लोहरीनडोंगरी के जंगल में पेड़ों की कटाई का काम धड़ल्ले से चल रहा है। यहां सैकड़ों हरे- भरे, छोटे-बड़े पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है। कुछ प्रत्यक्षदर्शी बताते है कि उक्त स्थल पर कुछ ग्रामीणो के द्वारा झण्डा लगाकर भजन कीर्तन कर सामूहिक रूप से हरे-भरे जंगल की अवैध कटाई कर अतिक्रमण किया जा रहा है। ग्रामीण दिन में लकडियां वाहनों से ले जाते हैं एवम ठूंठ तक निकलने से कटाई के प्रमाण नष्ट कर रहे हैं ।

बड़े जनप्रतिनिधियों की अनुशंसा-वन रक्षक लोहरिन डोंगरी जंगल के प्रभारी वन रक्षक सोहन यादव ने मीडिया को बताया कि मंदिर या किसी सामुदायिक कार्य के लिए जमीन मांगने से शासन द्वारा दी जाती है, उक्त जंगल में मंदिर बनाने हेतु जमीन देने की अनुशंसा क्षेत्र के बड़े जनप्रतिनिधियों द्वारा की गई है। इसलिए माना जा रहा है कि यहां मंदिर बनाने की स्वीकृति मिल गयी है।

डेढ़ एकड़ ही वन भूमि की जलाऊ काटी- रेंजर- उक्त मामले में स्थानीय प्रभारी रेंजर जंगल मोतीलाल साहू ने बताया कि वहां के ग्रामीण कुछ निर्माण कार्य के लिए जमीन की मांग कर रहे हैं। मामला डीएफओ के पास भेजा गया है वे इसकी स्वीकृति देंगे। क्योंकि किसी धार्मिक या सामुदायिक प्रयोजन से सरकारी भूमि देने का प्रावधान है। उसी के तहत ग्रामीण उक्त मांग कर रहे हैं। वैसे जिस स्थान पर जंगल कटने की बात है वहां मात्र डेढ़ एकड़ जमीन ही वन भूमि है शेष राजस्व भूमि है। वहां काटे गए पेड़ पौधे जलाऊ प्रजाति के हैं ।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2022-24